mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-222 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
11 अगस्त 2024 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

विनेश फोगाट पर...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

मालदीव में पीएम मोदी के मिशन पर जयशंकर

● दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता

माले (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को तीन दिवसीय यात्रा पर मालदीव पहुंचे। उनकी यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब मालदीव नई दिल्ली के साथ संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहा है। यात्रा के दौरान जयशंकर का ध्यान मोहम्मद मुइज्जू की अगले होने वाली संभावित भारत यात्रा को लेकर तैयारियों पर है। मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद मालदीव में सहायता के लिए तैनात भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने की मांग पर दोनों देशों के संबंध खराब हो गए।

ब्राजील में बड़ा विमान हादसा, 62 की मौत

आसमान से गिरा प्लेन,आस-पास के घरों को भी नुकसान

ब्रासीलिया (एजेंसी)। ब्राजील में एक बड़ा विमान हादसा देखने को मिला है। यहां साओ पाउलो के बाहरी इलाके में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में 62 लोग सवार थे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबित ब्राजील की नागरिक सुरक्षा ने इसकी पुष्टि की है। यह भी कहा जा रहा है कि विमान क्रैश होने के कारण कई घरों को नुकसान हुआ है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा है कि ऐसा लगता है कि दुर्घटना में सभी यात्रियों की मौत हो गई है। उन्होंने एक्स पर एक वीडियों में लोगों से एक मिनट का मौन रखने को कहा। उन्होंने एक्स पर कहा,मैं चाहूंगा कि हर कोई खड़ा हो ताकि हम एक मिनट का मौन रख सकें क्योंकि एक विमान क्रैश हो गया है।

17 महीने बाद सच्चाई और ईमानदारी की हुई जीत

जेल के ताले टूटेंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से बेल मिल गई है और वह बाहर आ चुके हैं। शनिवार को मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के प्राचीन हनुमान मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन किए और इसके बाद वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट चले गए।

राजघाट से वापस लौटने के बाद मनीष सिसोदिया सीधा आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पहुंचे और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान मनीष सिसोदिया के निशाने पर बीजेपी और केंद्र सरकार रही। मनीष सिसोदिया ने कहा कि हमारे असली साथी (अरविंद केजरीवाल) अभी भी जेल में बंद हैं और वह जल्द बाहर आएंगे। इसके बाद मनीष सिसोदिया ने नारे लगाए कि जेल के ताले टूटेंगे, अरविंद केजरीवाल छूटेंगे। ईडी और सीबीआई का जाल बुना गया है।

वायनाड़ के पीड़ितों से मिले मोदी, बांटा लोगों का दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के वायनाड में कुछ दिन पहले भूस्खलन के कारण 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में 150 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। हालात का जायज लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद शनिवार को केरल के दौरे हैं। पीएम मोदी वायनाड पहुंच चुके हैं।

पीएम ने राज्यपाल और सीएम के साथ की समीक्षा बैठक

हवाई सर्वेक्षण के बाद सड़क मार्ग से भी लिया जायजा

पीएम मोदी के साथ केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी मौजूद हैं। पीएम मोदी हेलीकॉप्टर से वायनाड के लिए रवाना हुए। पीएम मोदी ने कल्पेट्टा में भूस्खलन से तबाह हुए चार गांवों का हवाई निरीक्षण किया। इसके बाद कुछ राहत शिवरों और अस्पतालों में भर्ती मरीजों से भी मिलेंगे। पीएम मोदी एक समीक्षा बैठक भी करेंगे और इसमें मुख्यमंत्री, राज्यपाल के अलावा राज्य के बड़े अधिकारी भी हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी समीक्षा बैठक के बाद नई दिल्ली वापस आ जाएंगे। बता दें कि केंद्र सरकार ने भी राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति पिछले दो दिनों से वायनाड में है और शनिवार को अपना दौरा पूरा करेगा। इसके बाद हुए नुकसान पर अपनी रिपोर्ट देगा। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले ही बचावकर्मियों को वायनाड में तैनात किया गया था।

यूपी में दलित,ओबीसी और अल्पसंख्यक वोटों पर नजर

● लामबंद कर रही कांग्रेस,पार्टी चला रही विशेष अभियान,बीजेपी की बढ़ेगी टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने शुक्रवार को अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के कोटे, वक्फ संशोधन विधेयक और जाति जनगणना के मुद्दे पर एक महीने का अभियान शुरू किया है।

पार्टी का लक्ष्य दलित, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपनी स्थिति मजबूत करना है। संसद द्वारा एससी और एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 पारित किए जाने के 25 साल पूरे होने पर पार्टी 11 सितंबर तक अभियान चलाएगी और एससी और एसटी के खिलाफ अत्याचारों को रोकने के लिए कांग्रेस द्वारा किए गए प्रयासों को उजागर करेगी। कांग्रेस के इस कदम से बीजेपी की टेंशन बढ़ेगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा,केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम इस बात का सबूत हैं कि हम लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान क्या उठाते रहे हैं। सत्ता में आने पर बुनियादी संवैधानिक अधिकारों को चुनौती दी जाएगी। इस प्रकार हम जाति जनगणना, वक्फ संशोधन विधेयक और यहां तक कि एससी-एसटी कोटा के उप-वर्गीकरण के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए जनता तक पहुंचेंगे। इन समुदायों ने लोकसभा चुनावों में हमारे प्रति अपना समर्थन दिखाया है और इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके मुद्दों को भी उठाएं।

कानून व्यवस्था सुधार लें नहीं तो रद्द कर देंगे प्रोजेक्ट

● केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भगवंत मान को दे दी वॉर्निंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय राजमार्ग एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पत्र लिखकर पंजाब के मुख्यमंत्री को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। अगर इसे सुधारा नहीं जाता है तो एनएचएआई आठ हाईवे प्रोजेक्ट रद्द कर देगा। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे पर हो रहीं हिंसक घटनाओं को देखते हुए केंद्रीय मंत्री ने यह चेतावनी भरा पत्र लिखा है। बता दें कि इन आठ प्रोजेक्ट की कुल लागत 14288 करोड़ है। बता दें कि दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे के निर्माण के दौरान कई जगहों पर काम रोकने के लिए हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं। यह एक्सप्रेस वे राजधानी दिल्ली से माता वैष्णोदेवी कटरा तक बनाया जा रहा है।

हाईकोर्ट बोला-यौन उत्पीड़न महिला-पुरुष दोनों कर सकते हैं

ऐसे मामलों में जेंडर कोई ढाल नहीं हैं; महिला आरोपियों पर केस चलाया जाना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार को पॉक्सो एक्ट के एक मामले में सुनवाई की। जस्टिस जयराम भंभानी ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत पेनिट्रेटिव यौन हमले और गंभीर पेनेट्रेटिव यौन हमला (जबरन किसी चीज से बच्चों के निजी अंगों से छेड़छाड़) केस महिलाओं के खिलाफ भी चलाया जा सकता है। ऐसे मामलों में जेंडर कोई ढाल नहीं हैं।

कोर्ट की टिप्पणी एक महिला की दाखिल याचिका पर आई है। उसका तर्क है कि पॉक्सो एक्ट की धारा 3 में पेनिट्रेटिव यौन हमला और धारा 5 में गंभीर पेनिट्रेटिव यौन हमला का केस किसी महिला पर दर्ज नहीं हो सकता। क्योंकि इनकी डेफिनेशन से पता चलता है कि इसमें केवल सर्वनाम 'वह' का उपयोग किया गया है। जो कि पुरुष को दर्शाता है, महिला को नहीं। महिला पर साल 2018 में केस दर्ज हुआ था। मार्च 2024 में ट्रायल कोर्ट ने उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप तय किए थे। इसके बाद महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

पॉक्सो के प्रावधानों से पता चलता है पोक्सो अधिनियम की धारा 3 में प्रयुक्त शब्द 'वह' को ये अर्थ नहीं दिया जा सकता कि यह केवल पुरुष के लिए है। इसके दायरे में लिंग भेद के बिना कोई भी अपराधी (महिला और पुरुष दोनों) शामिल होना चाहिए।

जगदीप धनखड़ को हटवाने की तैयारी में जुटा विपक्ष

● उपराष्ट्रपति के खिलाफ प्रस्ताव पर इंडिया ब्लॉक के 87 सांसदों के हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के सभापति और विपक्षी सदस्यों के बीच अनबन 10 अगस्त को टकराव में बदल गई। नौबत इस हद तक पहुंच गई कि विपक्षी दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली है। प्रस्ताव औपचारिक रूप से आता है तो संसदीय इतिहास में पहली बार होगा कि उपराष्ट्रपति को हटाने की पहल विपक्ष कर रहा होगा। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा में सपा सांसद जया अमिताभ बच्चन और जगदीप धनखड़ के बीच हुई बहस के बाद माहौल बिगड़ गया।

एसटी/एससी रिजर्वेशन में लागू नहीं होगा क्रीमी लेयर

● केंद्र सरकार का फैसला, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- सरकार को विचार करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुसूचित जाति और जनजातियों (एससी/एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संसद भवन में उनसे मिलने आए 100 दलित सांसदों को यह आश्वासन दिया। देर शाम केंद्र ने इसकी घोषणा भी कर दी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने 1 अगस्त को यह टिप्पणी की थी कि एससी-एसटी में भी क्रीमी लेयर लागू करने पर विचार करना चाहिए। इसे लेकर दलित सांसदों ने पीएम से मिलकर अपनी चिंता जताई थी। 9 अगस्त की शाम में कैबिनेट मीटिंग हुई। इसके बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एनडीए सरकार बीआर अंबेडकर के बनाए गए संविधान से बंधी है। इस संविधान में एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है। भाजपा के ओडिशा से लोकसभा सांसद रबीन्द्र नारायण बेहरा ने बताया, सभी सासंदों ने एक स्वर से पीएम से मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लागू मत करिए। इस पर पीएम ने आश्वस्त किया है कि एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर को नहीं लाया जाएगा। बेहरा के अनुसार, पीएम ने कहा कि सरकार फैसले का अध्ययन कर रही है।

कोलकाता के हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप, फिर हत्या

आंख-मुंह, प्राइवेट पार्ट से खून बहा,गर्दन टूटी; ममता बोलीं-दोषी को फांसी दिलाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के सरकारी हॉस्पिटल (आरजी कर मेडिकल कॉलेज) में शुक्रवार को पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर की डेड बॉडी मिली। शुरुआती जांच में पता चला है कि रेप के बाद ट्रेनी डॉक्टर की हत्या की गई है।

महिला के आंख, मुंह और प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था। साथ ही उसके पेट, बाएं पैर, गर्दन, दाहिने हाथ, रिंग फिंगर और होठों पर भी चोटें हैं। कोलकाता पुलिस के अनुसार मामला सुसाइड का नहीं है। रेप के बाद हत्या हुई है। ट्रेनी डॉक्टर की गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई मिली है। ऐसा लगता है कि गला घोंटकर हत्या की गई है। घटना के बाद मेडिकल स्टूडेंट्स, भाजपा, कांग्रेस और वाम दलों ने अस्पताल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा- मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा जाएगा। दोषी को फांसी की सजा देने की मांग करेंगे। सीबीआई जांच से कोई ऐतराज नहीं है।

पिता का आरोप-

● बेटी की रेप के बाद हत्या की

ट्रेनी डॉक्टर चेस्ट मेडिसिन डिपार्टमेंट की स्टूडेंट थी। गुरुवार (8 अगस्त) की रात ड्यूटी कर रही थी। पिता का आरोप है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में उनकी बेटी के साथ रेप के बाद हत्या की गई है। अब सच्चाई को छिपाने की कोशिश की जा रही है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ संदीन घोष ने कहा- पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा कि महिला के साथ क्या हुआ। हम जांच को लेकर सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं।

सैटेलाइट, पावर ग्रिड, स्पेस स्टेशन, सब कुछ खतरे में

आ रहा जीपीएस को भी जाम करने वाला खतरनाक सौर तूफान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा समेत दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि धरती की ओर एक बड़ा सौर तूफान आ रहा है। इस सौर तूफान के कारण सैटेलाइट, पावर ग्रिड और स्पेस स्टेशन को खतरा हो सकता है। नासा के वैज्ञानिकों ने कहा है कि सूर्य से एक खतरनाक सौर तूफान पैदा हुआ है। इस सौर तूफान के बहाव का रुख पृथ्वी की ओर ही है। इस तूफान में मौजूद आवेशित कण काफी मजबूत हैं, जो जीपीएस या रेडियो सिग्नल को ब्लॉक कर सकते हैं और किसी भी इलेक्ट्रिक डिवाइस को बंद कर सकते हैं। इन आवेशित कणों की गति 30 लाख मील प्रति घंटे से भी अधिक है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि सूर्य से उत्सर्जित सामग्री और ऊर्जा के कारण भू-चुंबकीय तूफान पृथ्वी के रास्ते पर हैं। इससे उपग्रह, बिजली ग्रिड और अंतरिक्ष स्टेशन खतरे में हैं। प्रवक्ता के अनुसार, तीन कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) वर्तमान में पृथ्वी की ओर बढ़ रहे हैं।

पहले दो एम-क्लास सौर फ्लेयर्स 7 अगस्त को सूर्य से उत्सर्जित हुए थे। शुरुआती कोरोनल मास इजेक्शन अपेक्षाकृत छोटे थे, लेकिन तीसरा एक्स1.3-क्लास सौर फ्लेयर इनसे कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। प्रवक्ता ने कहा कि सूर्य की सतह से एक और एम-क्लास फ्लेयर्स रिलीज किए गए हैं। सूर्य की सतह से प्लाज्मा और चुंबकीय तरंगों के प्रभाव अगले तीन से चार दिनों में पृथ्वी तक पहुंचने की उम्मीद है। जैसे-जैसे सूर्य अपनी गतिविधि के चरम पर पहुंच रहा है, पृथ्वी को सौर तूफानों से संबंधित जोखिमों का भी उतना ही ज्यादा सामना करना पड़ता है। ये सौर तूफान रेडियो ब्लैकआउट का कारण बन सकते हैं, सैटेलाइट, सेलुलर फोन और जीपीएस नेटवर्क को जाम कर सकते हैं। सौर तूफान शब्द का इस्तेमाल सूर्य पर होने वाली कुछ घटनाओं का पृथ्वी पर महसूस किए जाने वाले वायुमंडलीय प्रभावों के लिए किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

ई रूपी मॉडल में पहले दिन 37 गर्भवती महिलाओं की हुई निःशुल्क सोनोग्राफी जांच

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अवसर पर शुक्रवार को ई रूपी मॉडल की शुरुआत डॉ. कैलाशनाथ काटजू महिला चिकित्सालय से की गई। पहले दिन 37 गर्भवती महिलाओं ने निशुल्क सेवा का लाभ लिया। ई रूपी सुविधा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सोनोग्राफी सुविधाओं में विस्तार करते हुए शुरू की गई है। इस सुविधा के तहत शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आने वाली गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी चिन्हित निजी सोनोग्राफी केंद्रों में निःशुल्क की जा रही है। इसके लिए महिलाओं को ई-रूपी बारकोड दिया जाएगा। इसे स्कैन करने के बाद केंद्र संचालक के खाते में पैसा ट्रांसफर हो जाएगा। 29 जुलाई को भोपाल के काटजू अस्पताल में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसकी शुरुआत हुई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि जिले में पीसीपीएनडीटी एक्ट अंतर्गत पंजीकृत निजी सोनोग्राफी सेंटर को इस सेवा के लिए चिह्नित किया गया है। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं से भेजी गई गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जावेगी। निजी क्षेत्र के पंजीकृत सोनोग्राफी सेंटर को सोनोग्राफी उपरांत डिजिटल पेमेंट पद्धति से भुगतान किया जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ग्रंथपाल के पद पर नियुक्ति आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग ने समूह-4 संयुक्त भर्ती परीक्षा 2023 के परिणाम के आधार पर चयन सूची में पात्र पायें गये ग्रंथपाल के नियुक्ति आदेश जारी किये गये है। नियुक्ति आदेश स्कूल शिक्षा विभाग की विभागीय वेबसाइट पर अपलोड किये गये है। पात्र पायें गये अभ्यर्थियों से 12 अगस्त 2024 तक संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थिति देने के लिये कहा गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड से मिलेगी उन्नत खेती के बारे में जानकारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान समृद्ध हो, आधुनिक रूप से खेती करें, खेती के उन्नत तरीके की जानकारी किसान को होना आवश्यक है। अपने खेत में कौन सी फसल बोएंगे तो फसल उत्पादन का अच्छा परिणाम प्राप्त होंगे। मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाये जा रहे है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को यह भी जानकारी दी जायेगी कि उनके खेत की मिट्टी में कौन-कौन से तत्वों की कमी है, जिसके कारण अच्छी फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा है। किसान को अच्छी पैदावार के लिये किन तत्वों की आवश्यकता है इसकी जानकारी विस्तृत रूप से किसानों को दी जायेगी। मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग किसानों के लिये लाभदायक सिद्ध होगा।

एम्स भोपाल में आईआरआईए रेजिडेंट एजुकेशन प्रोग्राम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आईआरआईए रेजिडेंट एजुकेशन प्रोग्राम (आईआरईपी) 2024 का उद्घाटन शनिवार को एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने किया। रेडियोलॉजी एसेंशियल्स थीम पर आधारित यह कार्यक्रम एम्स भोपाल के रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग विभाग और इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए), एमपी चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने आधुनिक चिकित्सा में रेडियोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा, रेडियोलॉजी के द्वारा सटीक निदान और प्रभावी उपचार योजना बनाई जा सकती है। जैसे-जैसे चिकित्सा प्रौद्योगिकी विकसित होती है, यह जरूरी है कि हमारे रेजिडेंट रेडियोलॉजिकल नवाचारों की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए नवीनतम ज्ञान और कौशल से लैस हों। आईआरईपी 2024 हमारे भावी रेडियोलॉजिस्टों को इस क्षेत्र में सीखने, बढ़ने और नेतृत्व करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। प्रो. सिंह ने रेडियोलॉजी के क्षेत्र को आगे बढ़ाने में निरंतर शिक्षा और सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन में एम्स भोपाल के रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग विभाग और आईआरआईए एमपी चैप्टर के प्रयासों की सराहना की।

भक्ति एवं श्रद्धा से मना नेमी प्रभु का जन्मतप कल्याणक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक झिरनो मंदिर में आर्यिका गुरुमति माताजी एवं दृढ़ मति माताजी ससंघ के सानिध्य में भक्ति भाव से मनाया गया। इसके साथ ही शहर के सभी जिनालयों में विशेष पूजा, अभिषेक सहित धार्मिक कार्य संपन्न हुए। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज जैन ने बताया कि कल रविवार को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक आर्यिका संघ के सानिध्य में चौक मंदिर में भक्ति भाव से मनाया जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिये नवाचारों को दें बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नरसिंहपुर जिले के सिविल अस्पताल गाडरवारा में इलाज के लिए आने वाले मरीज़ों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ देना हमारी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं के स्तर को व्यवस्थित कर उसे सुचारू रूप से बनायें रखने और मरीज़ों के उचित इलाज की व्यवस्था रखने के निर्देश दिये। शिक्षा मंत्री श्री सिंह आज रोगी कल्याण समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्री शिवाकांत मिश्रा एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गाडरवारा सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिये नवाचारों को बढ़ावा दें। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्री श्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर क्षमता एवं नियमानुसार स्टाफ रखा जा सकता है। उन्होंने विधायक निधि से ट्यूबवेल के लिए दो लाख रुपये और अस्पताल में विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने, जनरेटर के लिए 13 लाख रुपये देने की स्वीकृति भी प्रदान की। चर्चा के दौरान ओपीडी पर्ची 10 रुपये प्रति व्यक्ति करने पर सहमति हुई। बैठक में यह तय हुआ कि सिविल अस्पताल परिसर की दुकानों का नया अनुबंध कराया जाये। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मरीज़ों को गुणवत्तापूर्ण सुविधा देने के लिए समाज सेवियों, जनप्रतिनिधियों को भी आगे आना होगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि उनके द्वारा अस्पताल को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। बैठक में अस्पताल में बने प्रायवेट एसी वार्ड कक्ष का चार्ज 800 रुपये और एसी रहित कक्ष का चार्ज 400 रुपये करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सिविल अस्पताल के आसपास अतिक्रमण हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये। उन्होंने कहा कि अस्पताल का व्यवस्थित मुख्य द्वार बनाया जाये। उन्होंने अस्पताल उन्नयन के लिए प्रोपोजल तैयार करने और ऑक्सीजन प्लांट के लायसेंस की कार्यवाही में गति लाने को कहा। मंत्री श्री सिंह ने बैठक के पूर्व सिविल अस्पताल गाडरवारा परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने गाडरवारा शहर में पौधरोपण अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

दिल्ली रूट के इन स्टेशनों की पार्सल बुकिंग बंद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अगर आप कोई पार्सल दिल्ली या उसके आसपास के स्टेशनों पर भेजना चाहते हैं तो आप 12 अगस्त से पहले तक भेज सकते हैं, क्योंकि 12 से 15 अगस्त तक यहां पार्सल सुविधा को पूरी तरह से बंद किया गया है। रेलवे हर साल सुरक्षा की दृष्टि से इस तरह से पार्सल बंद करता है, इसमें मुख्य रूप से दिल्ली क्षेत्र यानि नई दिल्ली, दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली सराय रोहिल्ला एवं आदर्श नगर दिल्ली स्टेशन शामिल है।

भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए 12 से 15 अगस्त तक दिल्ली क्षेत्र यानि नई दिल्ली, दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली सराय रोहिल्ला एवं आदर्श नगर दिल्ली में सभी प्रकार के पार्सल लेनदेन (लीज सहित) पर प्रतिबंध लगाया गया है। पार्सल गोदाम एवं प्लेटफार्म पार्सल पैकेज पैकिंग से मुक्त रहेंगे। विशेष व्यवस्था के मद्देनजर, इन सभी स्टेशनों पर लीज पर दिए गए एसएलआर और वीपी (डिमांड वीपी सहित) सहित आवक और जावक दोनों यातायात पर प्रतिबंध लगाया गया है। व्यक्तिगत सामान को केवल यात्री कोच में ले जाने की अनुमति है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार रेलवे से रोजाना दिल्ली और उसके आसपास के स्टेशनों पर रोजाना करीब 7 टन से अधिक माल जाता है, इसमें करीब 100 से अधिक बुकिंग होती हैं, इसमें कई तरह की वस्तुओं के अलावा कई तरह का कच्चा माल आदि भी शामिल होता है।

बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से सावधान रहें-ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्मन सिंह तोमर ने सम्माननीय बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, एटीपी मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी. ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेन्टर पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेश भुगतान हेतु कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप, व्हाट्सएप पे एवं मोबाइल एप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा है कि बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से सावधान रहें। कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी मोबाइल नंबर से आए फोन के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें। कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने हेतु कहा जाता है

जिसमें बिल भुगतान कराने हेतु भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने हेतु विशेष नंबर दबाएं अथवा मोबाइल नंबर विशेष पर संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं, इन पर ध्यान नहीं दिया जाए। इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें।

सीएम राईज महात्मा गांधी स्कूल भेल में स्मार्ट क्लास के साथ स्वीमिंग पूल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि सीएम राईज महात्मा गांधी स्कूल भेल में 100 करोड़ रूपये की लागत से विश्वस्तरीय अधोसंरचना और सुविधाएँ उपलब्ध कराई जायेगी। स्कूल विद्यार्थियों के लिये शैक्षणिक के साथ-साथ सांसकृतिक, कला और खेल कूद गतिविधियों का भी संचालन करेगा। इसके लिये स्कूल में स्मार्ट क्लासेस के साथ-साथ स्वीमिंग पूल जैसी आधुनिक सुविधाएँ भी होगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर शुक्रवार को स्कूल में निःशुल्क परिवहन सेवा शुभारंभ

कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निःशुल्क सेवा के पहले चरण में 55 सीटर 5 बसों को शुरू किया जा रहा है। अगले चरण में 4 और बसें शामिल की जायेगी। इन बसों के माध्यम से विद्यालय से 2 किलोमीटर से अधिक दूरी पर निवास करने वाले विद्यार्थियों को घर से स्कूल लाने ले जाने की सुविधा दी जायेगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने स्कूल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ भी दिलाई।

उन्होंने कहा कि हार्ड वर्क से सफलता मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वह अपनी योग्यता का उपयोग जिम्मेदारियों को पूरा करने में करे। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध करा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में अब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से भी ज्यादा सुविधा संपन्न स्कूल बन रहे है। उन्होंने कहा कि बच्चे आने वाले कल का भविष्य है। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद श्री नीरज सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एके अहिरवार, प्राचार्य श्रीमती ममता सिंह स्कूल का स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रदेश में 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के स्क्रेपिंग के लिये तीन केन्द्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में शासन और निगम के स्वामित्व के 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को तथा फिटनेस परीक्षण में असफल रहने वाले निजी वाहनों को सुव्यवस्थित रूप से स्क्रेप कराने के लिये परिवहन विभाग द्वारा वाहन स्क्रेपिंग सुविधा केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। वर्तमान में भोपाल जिले में दो तथा इंदौर जिले में एक रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी केन्द्र प्रारंभ हो चुके है। रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी केन्द्र के माध्यम से आम नागरिकों द्वारा वाहन स्क्रेप कराने को प्रोत्साहित करने के लिये उनके द्वारा नवीन वाहन क्रय करने पर मोटरयान कर में 15 प्रतिशत और गैर परिवहन यान के लिये 25 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। राज्य में पंजीकृत किन्ही भी प्रवर्ग तथा किसी भी आयु सीमा के मोटरयानों के लिये, जिन पर किसी मोटरयान कर या शास्ति की शोध्य राशि पर 90 प्रतिशत तक की छूट प्रदाय की गई है। इस योजना के माध्यम से 600 वाहनों से 57 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया है। प्रदेश के व्यावसायिक वाहन मालिकों को वाहनों के टेक्स, परमिट, फिटनेस आदि की जानकारी देने के लिये परिवहन विभाग द्वारा एक कॉल सेंटर बनाया गया है, जिस पर फोन कर वाहन मालिक अपने वाहन से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। विभाग में नागरिकों की सुविधा के लिये ई-सेवा प्रारंभ की गयी है। नागरिक परिवहन विभाग की वेबसाइट पर वाहन संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है। प्रदेश में संचालित यात्री वाहनों में दिव्यांग को किराये में 50 प्रतिशत की छूट प्रदाय की जा रही है। इसके साथ सार्वजनिक परिवहन से उनके लिये एक सीट भी आरक्षित की गई है।

शिवराज ने बताया किसानों की आय बढ़ाने छह सूत्रीय रोडमैप

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सुबह 11 बजे कृषि बीजों की अलग-अलग 109 किस्मों को जारी करेंगे। अलग एग्रो क्लाइमेटिक ज़ोन के लिए इसमें अलग किस्म हैं। साथ ही बीजों की किस्म एरिया स्पेसिफिक फसलों के लिए तैयार की गई है। इन किस्मों को प्रधानमंत्री खेत में ही जाकर रिलीज करेंगे। कल आईसीएआर के खेतों में प्रधानमंत्री जाएंगे और तीन स्थानों पर बीजों की किस्मों को रिलीज करेंगे। चौहान ने कहा कि लैब टू लैंड, विज्ञान सीधे किसान तक पहुंचें, रिसर्च का फायदा किसान तक पहुंच जाए। सब एक जगह हो, यह प्रयत्न किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने गरीबों के 2 करोड़ ग्रामीण घर बनाने का प्रावधान किया है। भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। यह देश के

लगभग 50 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है। अर्थव्यवस्था में जीडीपी का योगदान भले ही 17 प्रतिशत से ज्यादा है लेकिन किसान अगर उत्पादक है तो सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। किसान कुछ खरीदता है, उससे भी जीडीपी बढ़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान हैं। हम कहते रहे हैं कि किसानों की आय बढ़ाएंगे, कृषि क्षेत्र को मजबूत करेंगे। शिवराज ने कहा कि 6 आयामों पर हम पीएम मोदी के नेतृत्व में निरंतर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्पादन बढ़ाना और लागत घटाना है तो अच्छे बीज चाहिए। जलवायु परिवर्तन के कारण धरती की सतह का तापमान बढ़ रहा है। हमें ऐसे बीज की जरूरत है जो जलवायु के अनुकूल हों, उचित पैदावार दे सकें, कीटनाशकों का प्रयोग कम हो। अनुसंधान करके बीज उत्पादित करना, बीज बनाना यह काम बहुत महत्वपूर्ण है। ढ्ढष्टक्रनिरंतर इस काम में लगी है। अभी पिछले दिनों 109 किस्में बीजों की तैयार की गई हैं। इसमें अनाज की 23 किस्में हैं। अनाज में चावल की 9, गेहूं की 2, जौ की एक, मक्का की 6, ज्वार, बाजरा, रागी, छीना, सांबा की एक-एक, अरहर की 2, चने की 2, मसूर की 3, मटर की 1, मूंग की 2, ओवरऑल तिलहन की 7 किस्में शामिल हैं। चारे की 7 किस्में, गन्ने की 7 किस्में, कपास की 5, जूट की एक, बागवानी की 40 किस्म भी तैयार की गई हैं।

भोपाल नगर निगम के कर्मचारी अगले हफ्ते सौंपेंगे ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगर निगम भोपाल में सुपर वाइजर, दरोगा, वाहन चालक सहित ऐसे ही अन्य पदों के विरुद्ध काम कर रहे 16 हजार विनियमित और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को मूल पदनाम एवं नियमितीकरण की दरकार है। ये कर्मचारी जोन और वार्ड में पदस्थ अधिकारियों के बर्ताव से भी परेशान हैं। यही कारण है कि वे 15 अगस्त के बाद बेमुद्दत हड़ताल का ऐलान करने की तैयारी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश शासकीय वाहन चालक-यांत्रिक कर्मचारी संघ की नगर निगम शाखा लगातार हड़ताल की तैयारी कर रही है। 14 अगस्त को जोन स्तर पर कर्मचारियों की बैठक का दौर समाप्त होगा और मांग एवं समस्याओं को लेकर ज्ञापन तैयार किया जाएगा, जो नगर निगम के आयुक्त को सौंपकर समस्याओं का समाधान और मांगें पूरी करने को कहा जाएगा। संघ इसके लिए 15 दिन का समय भी दे सकता है। इसके बाद कामबंद हड़ताल शुरू होगी। नियमित पदों के विरुद्ध वर्षों से काम कर रहे ये कर्मचारी पहले से ही नगर निगम प्रशासन से नाराज हैं। क्योंकि करीब चार साल से उनकी मांगों पर ध्यान नहीं

दिया जा रहा है, पर इससे भी अधिक नाराजगी मैदानी अधिकारियों के बर्ताव को लेकर है। जोन स्तर पर चल रही कर्मचारियों की बैठक में रोज यह बात सामने आ रही है। सबसे ज्यादा शिकायतें एएचओ को लेकर हैं। संघ के अध्यक्ष से शिकायत की जा रही है कि जोन क्रमांक-6, 9,12 सहित अन्य एएचओ न सिर्फ दुर्व्यवहार कर रहे हैं, बल्कि बात-बात पर नौकरी से निकालने की धमकी भी दे रहे हैं। बैठकों में कर्मचारियों ने बताया कि कचरा वाहन को कम डीजल दिया जा रहा है और उन पर तीन फेरे लगाने का प्रेशर बनाया जा रहा है। इन तीन फेरों में एक हजार किलो कचरा चाहिए। यदि कम कचरा आया, तो वाहन चालक को नौकरी से हटाने की धमकी दी जाती है। अधिकारियों के बुरे बर्ताव और दबाव ने कर्मचारियों को आंदोलन और कामबंद हड़ताल के लिए मजबूर कर दिया है।

जिले में अवैध प्लाटिंग का खेल जोरों पर

नगर पालिका की मूक स्वीकृति से मार्ग व नाली के अभाव में बस रहें नगर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में अवैध प्लाटिंग खेल जोरों पर चल रहा है, नाली सड़क के अभाव में भी लगातार कालोनियाँ बनती जा रही हैं। जिसे रोकने में प्रशासन हर समय विफल साबित हुई है। जिसका प्रमुख कारण भूमाफियाओं, जमीन के दलालों द्वारा सत्ताप्रभाव व आर्थिक प्रलोभन बताया जा रहा है। कुछ माह के अंदर सीधी जिले में करोड़ो के अवैध प्लाटिंग हुए मगर कार्यवाहियों के नाम पर परिणाम शुन्यवत हैं। जानकारों की माने तो टाउन एण्ड कंट्री प्लान की अनुमति के बगैर ही ज्यादातर भवन बन रहे हैं। बात अगर नियम कानून की आती है तो शहर के ज्यादातर भवन अवैध साबित हो रहे हैं।

बता दें जमीन के अवैध कारोबार में जमीन दलालो, भूमाफियाओं सहित अनेक अधिकारियों, कर्मचारियों के विरुद्ध शिकायतें भी पुलिस प्रशासन में हुई मगर हर शिकायतें रद्दी की टोकरी में ही डाल दिया गया। वर्तमान में जमीन धोखाधडी के कई मामले लंबित है। फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन बेचने के भी बहुत से मामले लंबित है। पीड़ित पक्षकार दर दर भटक रहे हैं, मगर उनके साथ धन प्रभाव, सत्ता एवं विपक्ष के धौंस के सामने बेबसी झेलनी पड़ रही है।

प्रशासन कुभकर्णीय नींद में, कारोबारी लगा रहें चूना: बता दें जिला मुख्यालय के आस पास के क्षेत्रो में अवैध जमीन के कारोबारियों के झांसे में आकर भू स्वामी अपनी बेशकीमती जमीनों का सौदा कर इनके चंगुल में फसते गए नतीजा यह भी रहा कि काश्तकारों के हाथों से वो जमीन भी गयी धोखाधड़ी कर उनसे इकरारनामा के हवाले पावर आफअटॉर्नी ले लिया गया और पूरी जमीन बेच दिए जाने के बाद भी तयशुदा समय पर भुगतान नही हो पाता है।

टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग सिर्फ दिखावे तक सीमित: शहर में प्लाटिंग का अवैध धंधा जोरों पर चल रहा है। इससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग से अनुमति लिए बिना किए जा रहे अवैध प्लाटिंग में सडक, नाली, पेयजल की व्यवस्था व गार्डन आदि सुविधाएं नहीं है।

बता दें जमीन के बिचौलियों के द्वारा आम जनता को कम मूल्य पर प्लाट देने का लालच देकर उन्हें अंधेरे में रखा जा रहा है। ग्राहक भी नियम कायदे की जानकारी के अभाव में उनके चंगुल में फंसते जा रहे है। जिला मुख्यालय के इर्द गिर्द शायद ही कोई कोना होगा जो इन जमीन के दलालों से अछूता हो, जहां इनके द्वारा अवैध प्लाटिंग न किया जा रहा हो। करीब 8.10 वर्षो से चल रहे इस गोरखधंधे पर किसी प्रकार की कोई दण्डात्मक कार्रवाई नहीं हो रही है। अवैध प्लाटिंग के खेल में कथित नेताओं, पटवारी व राजस्व विभाग के अधिकारियों की भी भागीदारी स्वाभाविक जान पड़ रही है। सबसे शर्मनाक बात तो यह है कि वर्षो से अवैध प्लाटिंग का सिलसिला जारी है। अवैध प्लाटिंग पर अधिकारियों की चुप्पी से कॉलोनाइजर के हौसले काफी बुलंद है।

बाहर की टीम से निष्पक्ष जांच हो तो ही बनेगी बात: पूरे शहर में राजस्व विभाग, पटवारी व नेतागिरी के संरक्षण में अवैध प्लाटिंग जोरों पर है। इस पर कोई लगाम नहीं है। सूत्रों के अनुसार शहर में ऐसे भी जमीन बिचौलिये सक्रिय हैं। जो सरकारी जमीन पर भी प्लाटिंग कर चुके हैं या प्रयास कर रहे हैं। यदि बाहर की टीम से निष्पक्ष जांच कराया जाए तो कई जमीन बिचौलियों सहित पटवारी और राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी व कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की गाज गिर सकती है।

बिना लाइसेंस के ही करोड़ो में हो रहा व्यापार: जानकारो की माने तो टाऊन एण्ड कंट्री प्लान के तहत सीधी नगर पालिका क्षेत्र एवं आस पास के क्षेत्रो में कॉलोनी काटने का खेल चल रहा है। जिसके लिए किसी भी व्यक्ति द्वारा लाइसेंस नहीं लिया गया है। कॉलोनाइजिंग एक्ट के तहत किसी भी जमीन मालिक ने नियमों का पालन नहीं किया है, जबकि नगर परिषद की सीमा में बिना अनुमति के कॉलोनी नहीं काटी जा सकती।

तुलसी जयंती पंच दिवसीय समारोह का शुभारंभ आज से मानस भवन में

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। श्रीराम चरित मानस समिति सीधी के तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के पावन अवसर पर आज से कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। तुलसी जयंती समारोह में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 11 अगस्त से 15 अगस्त तक सायं 6 से 9 के मध्य मानस भवन सीधी में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

तुलसी जयंती समारोह के संयोजक उदय कमल मिश्र अधिवक्ता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्रीराम चरित मानस समिति सीधी के तत्वावधान में पंच दिवसीय तुलसी जयंती समारोह का शुभारंभ आज से मानस भवन में किया जायेगा। गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में 11 अगस्त रविवार को राष्ट्र चिंतन तुलसी दास और हम पर व्याख्यान के अतिरिक्त सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले तीन मनीषियों जगदीश प्रसाद गौतम सेवा निवृत्त शिक्षक जमोड़ी, यदुनाथ वर्मा सेवा निवृत्त शिक्षक सीधी एवं प्रेमचन्द कामदार समाज सेवी सीधी को सम्मानित किया जावेगा साथ ही विपरीत परिस्थितियों एवं संसाधनों के अभाव में घायल, नवजात गौ वंश की सेवा एवं सहयोग में सदैव तत्पर रहने वाले गौ वंश प्रेमियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। 12 अगस्त को श्रीराम चरित मानस आधारित अंताक्षरीएगौ वंश के महात्म पर व्याख्यान एवं मानस गायन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

आवारा मवेशियों का सड़को में डेरा, आए दिन हो रही सड़क दुर्घटना

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। विगत कई माह से शहर की सड़कों पर घूमते आवारा मवेशी वाहन चालकों व राहगीरों के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। यह समस्या जिला मुख्यालय की मुख्य सड़कों सहित कस्बाई क्षेत्रो में भी दिखाई दे रही है। वर्षा ऋतु प्रारंभ होते ही सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा लगना शुरू होता है, जो अब भी लगातार जारी है। सबसे अधिक मवेशी सीधी से रीवा, मझौली, बैढ़न के मुख्य मार्ग में बैठे रहते हैं। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पशुओं के विचरण से आवागमन बाधित होने के साथ राहगीरों को भी आने.जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 24 घंटे लगातार आवारा पशु सड़कों पर डटे रहते हैं। इन्हें सड़क से भगाने की कोशिश में भी कई बार दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। जब ये आवारा पशु बाजार में घुसकर अव्यवस्था उत्पन्न करते हैं और इन्हें भगाने की कोशिश में कई लोग घायल हो जाते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी रात के समय मुख्य सड़कों से निकलने के दौरान आती है। नगर के चौक.चौराहों व गलियों में आवारा पशुओं का डेरा कभी न खत्म होने वाली समस्या बन गई है।

पशु मालिक हैं जिम्मेदार - सड़कों पर आवारा मवेशियों का कब्जा होने के पीछे पशु मालिक भी जिम्मेदार माने जा रहे हैं। इनके द्वारा मवेशियों को सड़कों पर घूमने के लिए छोड़ दिया जाता है। दुर्घटना में मवेशियों की मौत के बाद वे मुआवजा के लिए दावा करते हैं।

जन जागरूकता के लिए आयोजन

वैढन में हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली रैली, दिलाई शपथ

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। वैढन में हर घर तिरंगा अभियान के जन जागरूकता के लिए उपस्थित महिलाओं और पुरुषों ने बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर रैली निकाली। शनिवार को शाम 5 बजे अटल सामुदायिक भवन बिलौंजी से रैली प्रारंभ हुई। यह जन जागरूकता रैली अटल सामुदायिक भवन से बिलौंजी चौराहा, महापौर बगला होते हुए वापस अटल सामुदायिक भवन में वापस आई।

रैली के दौरान हजारों की तादाद में महिला और पुरुष सामूहिक रूप से सम्मिलित हुए। इस दौरान झंडा ऊंचा रहे हमारा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा के साथ साथ भारत माता और देश की स्वतंत्रता के लिए कुर्बानी देने वाले महापुरुषों की जयकार करते हुए तिरंगा अभियान के तहत आम जनमानस को जागरूक किया।

रैली वापसी के बाद विधायक सिंगरौली ने जनमानस को तिरंगा फहराने स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों की भावना का सम्मान भारत के विकास और प्रगति के प्रति स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलाई गई। रैली में रामनिवास शाह सिंगरौली विधायक, राजेंद्र मेश्राम देवसर विधायक, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता, देवेश पांडेय नगर निगम अध्यक्ष, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार बर्मा, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा, महिला बाल विकास अधिकारी राजेश गुप्ता, डीएसओ पीसी चन्द्रवंशी, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास शैलेंद्र साकेत, आरपी सिंह, नीरज शर्मा, बिन्दू उइके, लोक सेवा प्रबंधक रमेश पटेल, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक आरके विश्वकर्मा सहित अत्याधिक संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे।

जर्जर स्कूल और भवनों को किया गया जमींदोज

जर्जर भवन खाली नहीं करने पर बिजली और नल कनेक्शन काटने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। जिलेभर में जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्यवाही शनिवार को की गई। साथ ही जीर्णशीर्ण भवनों को चिन्हित कर मरम्मत कि कार्यवाही कराई जा रही है। ऐसे भवन जो जर्जर अवस्था में हैं उन्हें खाली करने के लिए संबंधित भवनों में नोटिस चस्पा किए गए हैं। आदेश का पालन न करने पर भवन का बिजली एवं पेयजल कनेक्शन काटा जाएगा। कलेक्टर जैसवाल द्वारा जिले के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। स्कूल,आंगनबाड़ी केंद्रों एवं जर्जर भवनों को तत्काल डिस्मेंटल करवाए जाए। इसकी एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसी कड़ी में शनिवार को जिले के विभिन्न जर्जर स्कूल भवन को गिराने की कार्रवाई की गई। जिसमें बारीगढ के दरगुंवा कि जर्जर प्राथमिक शाला के भवन, राजनगर के प्रतापपुरा प्राथमकि शाला, बड़ामलहरा की लखनवां माध्यमिक शाला, छतरपुर की कदारी, रौरा प्राथमिक माध्यमिक शाला, लवकुशनगर की प्राथमिक शाला, झिन्ना, लुदगांय, अक्टौहां, जनकपुर सहित बकस्वाहा के दर्गुवा, कुशमाढ़, पाली में जर्जर भवन एवं जोरन आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर बाउंड्रीवाल को जमींदोज किया गया। इसके साथ ही बिजावर के वार्ड 8 और 15 में जर्जर भवन, ग्राम हिडोरावारी एवं अहीरनपुरवा में प्राथमिक शाला के जर्जर भवन, गौरिहार एवं चंदला में स्कूल के जर्जर भवन को अधिकारियों की उपस्थित में जमींदोज किया गया।

जिले में 76 स्कूलों की बिल्डिगों जो जर्जर है उनको गिरने के लिए चिह्नित किया गया है। डीपीसी एएस पांडे ने बताया कि आज यानी शनिवार को 25 बिल्डिंगों को गिराया गया है। जो भी जर्जर स्कूलों की बिल्डिंग है उनको कलेक्टर के निर्देश पर गिराए जाने की कार्रवाई की जा रही हैं। यह कार्रवाई आमजन की जीवन सुरक्षा की दृष्टिगत की जा रही है। जिससे कोई भी जनहानि न हो।

नाग पंचमी पर दर्जनो सांपो ने रिहायशी इलाकों दी दस्तक, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

1138 सांपो को पकड़ कर आमजनो को किया भयमुक्त: पंकज मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जहरीले सांपो का नाम सुनते ही लोगों के मन में भय व्याप्त हो जाता है। ऐसे में वन विभाग द्वारा आमजनो की मदद हेतु चलाये जा रहे कंट्रोल रूप पर सूचना के बाद त्वरित रूप से रेस्क्यू टीम द्वारा रिहायशी इलाकों में पहुँच कर वन्यजीवों को पकड़ते हुए लोगों को भय मुक्त करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

पंकज मिश्रा वन पाल रेस्क्यू प्रमुख ने चर्चा के दौरान बताया कि अब तक कंट्रोल रूम से मिली सूचना के बाद लगभग 1138 सांपो को पकड़ कर जंगलो के सुरक्षित स्थलों पर विचरण हेतु छोड़ा गया है।

रेस्क्यू प्रमुख पंकज ने चर्चा के दौरान बताया कि नाग पंचमी के अवसर पर वन विभाग के कंट्रोल रूम में मदद हेतु दर्जनो लोगों के फोन आए और बताया गया कि उनके रिहायशी क्षेत्र में जहरीले कीड़े विचरण करते दिखें हैं। जहॉ वन विभाग के डीएफओ क्षितिज कुमार, एसडीओ के निर्देशन एवं रवीद्र तिवारी रेंज ऑफीसर के मार्गदर्शन में रेस्क्यू टीम के द्वारा सभी सांपो को बिना किसी नुकसान के पकड़ कर जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ा गया। इस दौरान 9 अगस्त 24 को रेस्क्यू के दौरान कई जहरीले सांपो के साथ ही विलुप्त होती सैंड बूआ सांप की प्रजातियों का भी रेस्क्यू किया गया।

भारत स्काउट गाइड का शिष्ट मंडल मिला पुलिस अधीक्षक से

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारत स्काउट गाइड का शिष्ट मंडल पुलिस अधीक्षक डॉ रवींद्र वर्मा से मिलकर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सेवा के कार्यों में भारत स्काउट गाइड की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रस्ताव रखा गया साथ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव भी उपस्थित रहें।

भारत स्काउट गाइड के शिष्य मंडल में भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष डॉ अजय मिश्रा, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे, जिला आयुक्त गाइड डॉ श्वेता सिंह, सचिव हरिशंकर पाण्डेय और स्काउट आदेश पटेल, अमन गुप्ता, गाइड वर्षा सिह चौहान, साक्षी वर्मा सामिल रहे। विषय प्रतिवेदन रखते हुए भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष ने कहा कि वार्षिक कैलेंडर के अनुसार भारत स्काउट गाइड के स्काउटर और गाइडर सेवा के कार्य में शामिल होते हैं। पुलिस प्रशासन के द्वारा इस प्रकार के किसी भी अभियान में भारत स्काउट गाइड के दल को अभियान का हिस्सा बनाया जा सकता है। जिससे छात्र एवं छात्रों का सर्वांगीण विकास होगा और राष्ट्र के प्रति उनकी सहभागिता बढ़ेगी।

घरेलू विवाद में पिता ने बेटे की हत्या की

पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली निप्र। जिले के खुटार चौकी क्षेत्र में कटौली गांव में बाप-बेटे के बीच हुए विवाद में पिता ने शनिवार दोपहर को पुत्र की हत्या का दी। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। अखिलेश कुमार शाह (30) पिता रामदास शाह निवासी कटौली ने अपने पिता रामदास शाह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरे पिता छोटे भाई राहुल साहू (22) की घरेलू विवाद में सिर पर डंडा मारकर हत्या कर दी।

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अशोक सिंह परिहार ने आरोपी रामदास शाह (49) को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक के परिजनों ने बताया कि आरोपी रामदास शाह कुछ काम धंधा नहीं करता था। अनावश्यक घर में विवाद करता था।

पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया था। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

अवैध हथियार के साथ फोटो वायरल मामले में आरोपी गिरफ्तार

मारपीट, बलवा और अवैध हथियार से जुड़े एक दर्जन अपराध दर्ज हैं, भेजा गया जेल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। बड़ामलहरा थाना पुलिस ने शनिवार की शाम को एक खुलासा किया है। जिसमें कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर अवैध कट्टा के साथ फोटो वायरल की थी। जिसे थाना पुलिस ने शनिवार दोपहर को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश किया और जेल भेज दिया है।

यह है मामला: पुलिस ने बताया कि आज दोपहर 2 बजे एक व्यक्ति अवैध हथियार लिए घूमने की सूचना प्राप्त हुई थी। थाना पुलिस टीम ने तत्काल कार्यवाही करते हुए संबंधित स्थान पटपुरा पुलिया के पास पहुंचे और वहा पर घूम रहे संदेही को रोककर उसकी तलाशी ली गई।

संदेही के पास से एक 315 बोर का देसी कट्टा मिला,जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के द्वारा आरोपी से पूछताछ की गई। तब उसने अपना नाम जगजीवन उर्फ जगन अहिरवार निवासी ग्राम सेंधपा बताया। इसी आरोपी के द्वारा कुछ दिन पहले सोशल मीडिया में एक अवैध हथियार सहित फोटो भी वायरल हुई थी। अवैध हथियार जब्त कर आरोपी जगजीवन अहिरवार को अभिरक्षा में लेकर थाना बड़ामलहरा में आयुध एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

आरोपी जगजीवन अहिरवार एक आदतन अपराधी है। जिसके खिलाफ मारपीट, बलवा,अवैध हथियार से जुड़े एक दर्जन अपराध दर्ज हैं। थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए शनिवार की देर शाम आरोपी को जेल भेज दिया है। बड़ामलहरा थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने बताया कि यह व्यक्ति एक आयतन अपराधी है। कुछ दिन पहले इस आरोपी के द्वारा सोशल मीडिया पर अवैध कट्टा के साथ फोटो वायरल की गई थी। इसके खिलाफ थाना में एक दर्जन से अधिक और अपराध दर्ज है।

जिले में भारी बारिश का दौर थमा

सिर्फ बूंदाबांदी हो रही, अब तक 713.7 मिमी पानी गिरा

मीडिया ऑडीटर, पन्ना एजेंसी। जिले में बीते तीन-चार दिन से भारी बारिश का दौर थम गया है। आसमान में घने बादल छा रहे हैं। कभी कभी बूंदाबांदी हो रही है। शनिवार को भी बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा। शनिवार को दिनभर आसमान में घने बादल छाए रहे। वहीं शाम को थोड़ी बूंदाबांदी हुई है। जिले में अब तक कुल 713.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। जिसमें जिले में सबसे ज्यादा पवई में 995 मिमी एवं सबसे कम देवेन्द्रनगर में 449.7 मिमी दर्ज की गई है।

जिले में 713.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज, सर्वाधिक बारिश पवई में: पन्ना जिले में 1 जून से 9 अगस्त तक 713.7 मिमी औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है। जबकि इसी अवधि में पिछले वर्ष 683.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत वर्षा 1176.4 मिमी है। अब तक सर्वाधिक वर्षा पवई में 995 मिमी एवं सबसे कम देवेन्द्रनगर में 449.7 मिमी दर्ज की गई है। जबकि वर्षामापी केन्द्र पन्ना में 596.9 मिमी, गुनौर में 663.2 मिमी, अमानगंज में 768.9 मिमी,सिमरिया में 916.5 मिमी, शाहनगर में 678 मिमी, रैपुरा में 775.6 मिमी और अजयगढ़ में 579.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

विचार

बांग्लादेश में नई सरकार और मुख्य विपक्षी पार्टी के इरादे भारत के बारे में नेक नहीं लग रहे हैं

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना का भारत में रहना बांग्लादेश की नई सरकार और वहां की मुख्य विपक्षी पार्टी को बिल्कुल नहीं भा रहा है। इसलिए वह भारत को चेतावनी देने में लग गये हैं। हम आपको बता दें कि अपदस्थ शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी की कट्टर प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कहा है कि भारत में रहने का पूर्व प्रधानमंत्री का फैसला पूरी तरह से उनका और भारतीय अधिकारियों का है। बीएनपी ने लेकिन आगाह किया कि बांग्लादेश के लोग इसे अच्छे नजरिए से नहीं देखेंगे। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के प्रवक्ता अमीर खसरू महमूद चौधरी ने कहा, ''अभी, वह (हसीना) बांग्लादेश में हत्याओं और लोगों को जबरन गायब करने से लेकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार जैसे कई अपराधों में सबसे वांछित व्यक्ति हैं।'' महमूद चौधरी ने कहा कि यह ''खुद हसीना और भारत सरकार का निर्णय है कि उन्हें पड़ोसी देश में रहना चाहिए या नहीं।'' बीएनपी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली स्थायी समिति के सदस्य महमूद चौधरी ने कहा, ''फिर भी, बांग्लादेश के लोग सोचते हैं कि भारतीय अधिकारियों को उनकी भावनाओं को ध्यान में रखना चाहिए।'' महमूद चौधरी ने कहा, ''लोग (बांग्लादेश में) इसे (हसीना के भारत में रहने) को अच्छे नजरिए से नहीं देखेंगे। वहीं दूसरी ओर, बांग्लादेश की नवगठित अंतरिम सरकार में विदेश मंत्री की भूमिका में आये तौहीद हुसैन ने 'बड़े देशों' के साथ ढाका के संबंधों में 'संतुलन' बनाये रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार एवं पूर्व विदेश सचिव मोहम्मद तौहीद हुसैन ने संवाददाताओं से कहा कि कानून एवं व्यवस्था बहाल करना इस समय अंतरिम सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है तथा पहला लक्ष्य हासिल हो जाने के बाद अन्य कार्य भी हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को सभी देशों के साथ अच्छे संबंध रखने की जरूरत है। तौहीद हुसैन ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, ''हम सभी के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। हमें बड़े देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने की जरूरत है।'' हम आपको बता दें कि तौहीद हुसैन को भारत के बारे में मिश्रित विचार रखने के लिए जाना जाता है, वे एक तरफ ढाका के लिए भारत के महत्व को स्वीकार करते हैं, लेकिन दूसरी तरफ बांग्लादेश के हितों के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का आरोप लगाते हैं। हुसैन ने पिछले साल एक व्याख्यान में कहा था कि पिछले 15 वर्षों में बांग्लादेश के हितों की भारत ने रक्षा नहीं की। उन्होंने कहा था कि यही कारण है कि भारत के साथ संबंध को आदर्श नहीं माना जा सकता। हम आपको बता दें कि भारत वर्षों से कहता रहा है कि बांग्लादेश के साथ उसके द्विपक्षीय संबंध सबके लिए आदर्श की तरह है।

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज स्व के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे भारत के हित सर्वोपरि हैं की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अत: समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुन: इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंतत: देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुन: गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अत: किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुन: विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है। परंतु, अब एक बार पुन: भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिंदू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में पला बढ़ा नागरिक अपने विचारों में सहिष्णु होता है तथा सभी जीवों में प्रभु का वास देखता है इसलिए वह हिंसा में बिल्कुल विश्वास नहीं करता है। इसी के चलते यह कहा जा रहा है कि विश्व के कई देशों में लगातार बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिंदू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गल्त काम हो ही नहीं सकता है। विश्व के कई देशों के बीच आज आपस में कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, जिनके चलते वे आपस में लड़ रहे हैं एवं अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन - रूस के बीच युद्ध एवं हमास - इजराईल के बीच युद्ध आज इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है। इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए, शांति स्थापित करने एवं आर्थिक विकास को गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से आज हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को आज पूरे विश्व में फैलाने की महती आवश्यकता है।

आखिर भारतीय उपमहाद्वीप में कब तक थमेंगी सांप्रदायिक व जातीय हिंसा की घटनाएं?

कमलेश पांडे

कहते हैं न कि नीतियां जब नरम होती हैं, तो अराजक तत्व हावी हो जाते हैं। राजतंत्र के कब्र पर पनपा समकालीन लोकतंत्र इसका जीता-जागता उदाहरण है। हाल के दिनों में बांग्लादेश में हुई हिन्दू विरोधी हिंसा, पाकिस्तान व अफगानिस्तान में जारी हिन्दू विरोधी उत्पीड़न व हिंसा की अगली कड़ी है। यूँ तो भारत के कश्मीर, केरल और पश्चिम बंगाल आदि में भी जब तब कुछ ऐसा ही हो जाता है, जिस पर काबू पाने में भारतीय प्रशासन भी सियासी वजहों से लगभग असहाय नजर आता है। गोया, इन घटनाओं से साफ है कि इन देशों में पुलिस या सैन्य प्रशासन का भय अपराधी या गिरोहबाज प्रवृत्ति के लोगों में नहीं है। ऐसा इसलिए कि सांप्रदायिक व जातीय वजहों से कुछ सुरक्षाकर्मी-पुलिसकर्मी भी प्रत्यक्ष या परोक्ष तरीके से ऐसी नृशंस घटनाओं को शह देते आये हैं। वहीं, सिविल प्रशासन पर भी अमूमन सियासी वजहें हावी रहती हैं, जिसके चलते भीड़ की बेलगाम हिंसा को रोकने वाला न तो कोई माई-बाप है और न ही ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई सामूहिक दंड विधान मौजूद है, जिसका भय इनके दिलोदिमाग में बना रहे। इसलिए मेरे जेहन में यही सवाल उठता है कि आखिर भारतीय उपमहाद्वीप में कब तक थमेंगी सांप्रदायिक व जातीय हिंसा की ऐसी बर्बर आदिम युगीन घटनाएं? इस बदत्तर स्थिति के लिए भारतीय, पाकिस्तानी या बांग्लादेशी हुक्मरान कितने जिम्मेदार हैं? वहीं, दुनिया के थानेदार मतलब अमेरिका, चीन और रूस आदि भी आखिर क्यों नहीं चाहते इन बर्बर घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक? शायद इसलिए कि लोकतांत्रिक सियासत में वोट बैंक के जुगाड़ के लिए ऐसी निर्लज्ज व जघन्य घटनाओं की ब्रेक के बाद

पुनरावृत्ति जरूरी है! तभी तो न तो मुगलिया सल्तनत में, न ब्रितानी हुकूमत में और न ही आजाद भारत-पाकिस्तान-बंगलादेश में ऐसी लोमहर्षक घटनाओं पर कोई मजबूत लगाम लग सकी? तो क्या इन देशों का संविधान, संसद और सर्वोच्च न्यायालय इन सबकी खुली इजाजत देता आया है! यदि नहीं तो इन वारदातों के खिलाफ कितने स्वत: संज्ञान लिए गए। यहां की संसदों-विधानमण्डलों में कितनी सकारात्मक बहसें हुईं और उसके क्या सकारात्मक परिणाम निकले। क्या कोई जनरक्षक कानून बन पाया या विधि-व्यवस्था की विफलता के लिए किसी की जिम्मेदारी (सामूहिक ही सही) तय की जा सकी। जवाब होगा, शायद अब तक तो नहीं। तो फिर सवाल यही कि आजादी के इतने सालों बाद तक भी क्यों नहीं? क्योंकि मुगलों और अंग्रेजों पर तो फूट डालो शासन करो के आरोप लगाए गए, लेकिन भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश आदि में बैठे %काले अंग्रेजों,% जिनमें नेता-नौकरशाह दोनों शामिल हैं, ने क्या किया? जवाब होगा- हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई को सम्प्रदाय में बांटने के लिए अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद चलाना और हिन्दू समाज को जातियों में बांटने के लिए आरक्षण को अनैतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और नख से सिख तक ब्राह्मणवाद-बनियावाद को कोसते रहने के शिवाय कुछ भी नहीं! आखिर यह कौन नहीं जानता कि परस्पर कई युद्ध लड़ चुके इन देशों की राजनीति में जहां पाकिस्तान-बांग्लादेश की सियासत भारत और हिन्दू विरोध के ऊपर चलती आई है। वहीं भारत की सियासत मुस्लिम तुष्टीकरण और हिन्दू हितों की हिफाजत के नाम पर चमकती आई है। बावजूद इसके, कहीं आतंकी हिंसा, कहीं नक्सली हिंसा, कहीं गिरोह वार, कहीं जातीय हिंसा और कहीं साम्प्रदायिक हिंसा ही इन देशों की नियति बन चुकी है। यहां का पुलिस प्रशासन और मिलिट्री प्रशासन इन उपद्रवियों के समक्ष लाचार नजर आता है। आप मानें या न मानें, लेकिन इस कबीलाई लोकतंत्र, जहां सुशासन के तमाम प्रयास विफल साबित प्रतीत हो रहे हैं, को अब पूंजीवाद से खतरा है। क्योंकि अपने दीर्घकालिक लाभ के वास्ते हथियार बेचते रहने की गरज से ये कहीं भी अमन-चैन रहने देना नहीं चाहते हैं! इनकी नीतियां जनद्रोही हैं, जिसे ये न्यू वर्ल्ड आर्डर करार देकर हम पर थोपना चाहते हैं। इनकी डिजिटल सोच सुविधाजनक पर रोजगार घाती है। इनका तकनीकी प्रेम विकासपरक लेकिन मानवता के लिए विनाशक है। इनकी नई आर्थिक नीति लूट-खसोट के अलावा कुछ भी नहीं! यदि आप गौर करें तो रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान विवाद, भारत-पाक क्षद्म युद्ध के बाद बांग्लादेश का हिन्दू विरोधी जिहाद कोई संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग है और इसे समझने की जरूरत है। कभी नेपाल, कभी म्यांमार, कभी श्रीलंका, कभी मालदीव, कभी अफगानिस्तान, कभी ईरान आदि जगहों पर घटित अपेक्षित, अनपेक्षित घटनाओं का असर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ता है, जो वैश्विक महाशक्तियों के लिए सुस्वादु तरबूज प्रतीत होता है। इसलिए वो अपना हिस्सा पाने के लिए तरह तरह के तिकड़म भिड़ाते-भिड़वाते रहते हैं। इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जनतांत्रिक प्रशासन में न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के मजबूत रहते हुए और खबरपालिका के सजग रहते हुए भी आखिर ऐसी नृसंश वारदातें क्यों नहीं थम पा रही हैं? आखिर इससे किनका हित सध रहा है और उसे कबतक सधने दिया जाएगा? ये बातें सभ्य समाज के लोगों की नींद में खलल डाल रही हैं। इसलिए अब सबके जेहन में यह बात सुलग रही है कि यदि तमाम वैज्ञानिक व तकनीकी विकास के बावजूद समकालीन शासन यदि मानव समुदाय को सुरक्षा और सुव्यवस्था देने में विफल रहता है तो फिर उसके होने या न होने का मतलब क्या रह जाता है? लिहाजा, शांति व सुव्यवस्था के सवाल पर अब सार्वजनिक बहस होनी चाहिए और करो या मरो का फैसला लेना चाहिए।

भारतीय उपमहाद्वीप, जिसमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव आते हैं, की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि भारत अपने बड़े भाई के तौर पर सख्त नहीं, बल्कि लचीला रुख अपनाने का आदी/अभ्यस्त रहा है। इसलिए तो हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर क्रमश: हिंदुस्तान और पाकिस्तान नामक दो देश तो बन गए, लेकिन कुछ मुस्लिम यहां रह गए और कुछ हिन्दू वहां रह गए। यही अब कोढ़ में खाज मानिंद लग रहे हैं। आंकड़े चुगली करते हैं कि हिंदुस्तान में मुस्लिम आबादी तो बढ़ती रही, लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दू आबादी घटती चली गई। आखिर ऐसा क्यों, यह पूछने का साहस भारतीय नेतृत्व के पास नहीं है

चोर के टैटू से गिरोह तक पहुंची पुलिस

सर्वेयर बनकर 1 हफ्ते तक घर ढूंढ़ा, 52 लाख का माल बरामद, एमपी का सराफा कारोबारी मास्टरमाइंड

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर समेत 6 ज्वेलरी शॉप में चोरी करने वाले बंसोर गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड मध्यप्रदेश का सराफा करोबारी है, जो चोरी के गहने खरीदने के लिए इनका इस्तेमाल करता था और वारदात के बाद गहने लेकर उन्हें सुरक्षित उनके ठिकानों तक पहुंचाता था। ये गिरोह फिर से जशपुर जिले के तपकरा में वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इससे पहले ही एक सदस्य के हाथ पर बने टैंटू के जरिए पुलिस इनके गढ़ तक पहुंच गई। एक हफ्ते तक एएसपी, डीएसपी सहित दर्जन भर पुलिसकर्मियों ने जनगणना, सर्वे समेत अलग-अलग बहाने से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद दबिश देकर गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 125 ग्राम सोना, 33 किलो चांदी और कैश समेत 52 लाख का माल बरामद किया गया है। इस गिरोह ने चकरभाठा के हिर्री माइंस, सीपत के दामोदर ज्वेलर्स समेत शिवरीनारायण और कोटमीसोनार की ज्वेलरी शॉप में चोरी की। सभी वारदातों में तरीका एक ही था।

हाथ का टैटू बना रास्ता, गिरोह तक पहुंची पुलिस: चोरों तक पहुंचना बहुत मुश्किल लग रहा था। इधर, पुलिस की टेक्निकल टीम सीसीटीवी फुटेज निकाल कर बारीकी से जांच कर रही थी। इसी दौरान गिरोह के एक सदस्य के हाथ पर टैंटू का निशान दिखा। रायपुर में हुई चोरी में भी इस सदस्य की तस्वीर आई थी। इसके आधार पर पुलिस ने बिलासपुर से महाराष्ट्र और ओडिशा के राउरकेला तक रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की। इसके बाद साफ तस्वीर लेकर पुलिस ने दूसरे राज्यों में भेजी। इसमें मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के बरगवां निवासी लालमन उर्फ बड़का बंसोर की पहचान हुई।

पुलिस की टीम उसके घर तक पहुंची और फिर उसके साथी रामधीन बंसोर, सियाराम बंसोर और लालजी बंसोर की पहचान की।

एएसपी- डीएसपी सर्वेयर और जनगणनाकर्मी तक बने: एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि बंसोर गिरोह को उनके गढ़ में जाकर गिरफ्तार करना बड़ा चैलेंज था, क्योंकि कोई भी वहां जाता तो उसे वे पहचान लेते। ऐसे में टीम ने समझदारी से काम लिया। एएसपी अनुज और दो डीएसपी उदयन बेहर और निमितेश सिंह ने वहां 7 दिन कैंप किया। उनके साथ टीम के सदस्य भी थे। टीम ने सिंगरौली, बैढ़न, सरई, बरगवां, लामादीह, बांधा, उज्जैनी, देवरी और यूपी के मिर्जापुर, बनारस, जौनपुर में कैंप किया। इस दौरान आरोपियों की शिनाख्ती और घरों में मौजूदगी जानने के लिए जनगणना, राशन कार्ड सर्वे आदि सहित अलग-अलग तरीके अपना कर आरोपियों के घर में होने की पुष्टि की। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

सराफा कारोबारी मास्टरमाइंड, यही चोरी कराता था: सभी आरोपियों को पकड़ने के बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने बताया कि मनीष सोनी उनका सरगना है, जो उन्हें छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश समेत दूसरे राज्यों के ज्वेलरी शॉप में चोरी करवाता है। गिरोह के सदस्यों ने बताया कि वारदात को अंजाम देने से पहले वे रेकी करते थे। इस दौरान मोबाइल भी नहीं रखते थे। मनीष उन्हें ठिकाने तक पहुंचाता था।

चोरी करने के बाद वह अपनी कार में बैठाकर उनके घर छोड़ देता था। इसके बाद गहनों को अपनी दुकान और राजेंद्र गुप्ता के पास गला कर खपाता था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मनीष सोनी उर्फ सुशांत उर्फ सोनू और राजेन्द्र गुप्ता उर्फ गुड्डा बनिया के यहां दबिश देकर 20 किलो चांदी और 106 ग्राम सोना बरामद किया है। पुलिस ने इन्हें खरीदार आरोपी बनाया है।

पुलिस हिरासत में आरोपी, पूछताछ में खुल सकते हैं कई मामले: एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उनसे पूछताछ में और भी नाम सामने आ रहे हैं। एक आरोपी को जेल से छूटते ही पुलिस ने शुक्रवार देर शाम मध्यप्रदेश की सरई जेल से पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक अलग-अलग घटनाओं में गिरोह के कई सदस्य शामिल रहे हैं। इन सभी के नाम भी पूछताछ कर हासिल किए जा रहे हैं। इसके साथ ही चोरी की दूसरी वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

आरोपियों पर दर्ज हैं दर्जन भर से ज्यादा केस: पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी लालमन उर्फ बड़का बसोर (54 वर्ष) निवासी बरहवाटोला सिंगरौली एमपी, रामधीन बसोर (56 वर्ष) निवासी बाघाडीह हथकौडापारा सिंगरौली, सियाराम बसोर (51 वर्ष) निवासी लामीदह सरई सिंगरौली, लालजी उर्फ किनका बसोर (35 वर्ष) निवासी लामीदह सरई सिंगरौली के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटाई। इस दौरान पता चला कि इनके खिलाफ दर्जन भर से ज्यादा चोरी के केस दर्ज हैं। वहीं, पुलिस ने सराफा व्यापारी मनीष सोनी के साथ ही राजेन्द्र गुप्ता उर्फ गुड्डा बनिया (37 वर्ष) और एक अन्य खरीदार अमित सिंह (33 वर्ष) निवासी सिंगरौली को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों से 4 लाख कैश समेत 52 लाख का माल बरामद: आरोपियों से पुलिस ने सीपत में हुई चोरी की शत प्रतिशत रिकवरी की है। टीम को कुल 33 किलो चांदी के जेवर और सिल्ली, 125 ग्राम सोने के जेवर और सिल्ली, 4 लाख रुपए कैश, एक कार, बाइक और 6 मोबाइल समेत 52 लाख रुपए का सामान जब्त किया है।

बिलासपुर, जांजगीर-चांपा और रायपुर में की चोरी: आरोपियों ने 30 जून को जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण के राहौद चौक स्थित सराफा दुकान के साथ ही 2 जुलाई की रात अकलतरा के कोटमीसोनार में आदित्य ज्वेलर्स, 12 जून की रात चकरभाठा के हिर्री माइंस स्थित ज्वेलरी शॉप, 15 जुलाई की रात सीपत के दामोदर ज्वेलर्स, 6 जुलाई की रात रायपुर के धरसींवा और 30 जुलाई को सीतापुर स्थित सराफा दुकान में चोरी की।

नाले में बही महिला का चेरा नदी में मिला शव

नाले को पार करने के दौरान हादसा, एसडीआरएफ-पुलिस ने ढूंढ निकाला

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में शुक्रवार दोपहर चेरा नदी पार करने के दौरान बही महिला का शव शनिवार को 2 किमी दूर पत्थरों के बीच फंसा मिला। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने महिला के शव को खोज निकाला। भारी बारिश से रजखेता में बना सालों पुराना बांध टूट गया है। बरती पहुंच मार्ग का पुलिया का एप्रोच भी बह गया है। रामचंद्रपुर ब्लॉक के ग्राम चेरा की पांच महिलाएं शुक्रवार को खुखड़ी बीनने के लिए पास के जंगल में गई थीं। वापसी में गांव और जंगल के बीच में स्थित चेरा नदी का जलस्तर बढ़ गया। उफनती नदी को पार करने के दौरान रजवंती पंडो (55) पैर फिसलने से बह गई। अन्य महिलाओं ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह बहकर दूर चली गई।

एसडीआरएफ टीम ने खोजा शव: बलरामपुर एसपी राजेश अग्रवाल ने महिला की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ टीम को निर्देश दिए थे। शुक्रवार को महिला की नदी में खोजबीन की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला। शाम से पानी बंद होने पर नदी का जलस्तर भी कम हो गया। शनिवार सुबह से एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने ग्रामीणों के साथ चेरा नदी में खोजबीन के लिए अभियान चलाया। दोपहर करीब 3 तीन बजे महिला का शव चेरा और डुमरपान के बीच में पत्थरों के बीच फंसा हुआ मिला। यह स्थल महिला के बहने वाले स्थान से करीब दो किलोमीटर दूर है। चेरा नदी वहां से कुछ ही दूर आगे जाकर पांगन नदी में मिल जाती है। महिला का शव पांगन नदी में जाने से पहले ही फंस गया।

पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया शव: पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने पानी ज्यादा होने पर नदी-नालों को पार न करने की समझाइश दी है।

रजखेता में सालों पुराना बांध टूटा: बलरामपुर जिले में हुई भारी बारिश के बीच वाड्रफनगर के रजखेता में वर्षों पूर्व बना भुताही बांध टूट गया है। बांध के टूटने से बड़ी संख्या में किसानों की फसल बर्बाद हो गई है। इस बांध की देखरेख जल संसाधन विभाग करता था। बांध टूटने से नीचे किसानों के खेतों में लगी फसल पर मलवा जम गया है।

स्कूली बच्चों ने बनाई खूबसूरत पेंटिंग

शराब के नशे में डूबकर जलता आदमी दिखाया, पुलिस ने निजात थीम में किया था आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर के स्कूली बच्चों ने नशे के खिलाफ खूबसूरत पेंटिंग और चित्र बनाए हैं। इन चित्रों में एक व्यक्ति शराब के नशे में धुत होकर आग में जलता हुआ दिखाई दे रहा है। एक पेंटिंग में स्मोकिंग करते हुए युवती मौत की ओर जाते दिख रही है। रायपुर पुलिस ने स्कूली बच्चों में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम कराया है। रायपुर एसएसएपी संतोष सिंह और सीएसपी अमन कुमार झा ने कहा कि, किसी भी छात्र-छात्राओं और संस्था के लोगों को नशे से दूर रहना चाहिए। अधिकारियों ने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान के बारे में बताया। इसके अलावा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की अपील की।

खूबसूरत पेंटिंग में दिखी कलाकार: पुलिस ने बच्चों की बनाई रंगबिरंगी पेंटिंग को मीडिया से साझा किया है। इन पेंटिंग में नशे से नुकसान बताते हुए बहुत ही बारीकी से स्केचेस किया गया है। इसके अलावा नो स्मोकिंग, ड्रग्स किल्स ऑल द ड्रीम्स, नशे को न जिंदगी को हां और नशे से दूरी है। जरूरी जैसे कोटेशन लिखे गए है। पुलिस ने इन पेंटिंग्स में फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड आए हुए छात्र-छात्राओं को मेडल भी दिए हैं।

35 स्कूलों के बच्चे हुए शामिल: ये कार्यक्रम सिविल लाइन थाना क्षेत्र में सालेम इंग्लिश मीडियम स्कूल में किया गया। जिसमें रायपुर जिले के सरकारी और अर्ध सरकारी स्कूलों के नवी से लेकर 12वीं तक के स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया। इस आयोजन में करीब 35 स्कूलों से लगभग 530 स्टूडेंट शामिल हुए।

हर घर तिरंगा अभियान

स्कूली बच्चों ने निकाली रैली, बाइक रैली में लोगों ने लगाए भारत माता के नारे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू किए गए हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रति लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। रायपुर में अलग-अलग स्कूल और संस्थाएं रैलियां निकाल रही हैं। शुक्रवार को शहर में संभाग स्तरीय तिरंगा रैली निकाली गई। इस रैली में लगभग 450 स्कूली बच्चे शामिल हुए। साथ ही देशभक्ति नारों के साथ रैली निकाली गई। जिसमें रैली में दानी गर्ल स्कूल की स्टूडेंट समेत शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बाइक रैली का आयोजन: हर घर तिरंगा कार्यक्रम में 9 से 15 अगस्त अलग-अलग एक्टिविटी की जा रही है। शुक्रवार को रायपुर नगर निगम जोन 1 और जोन 6 वार्डों में आम जनता के सहयोग से बाइक रैली निकाली गई। इसी के साथ तिरंगा रैली, तिरंगा प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया।

निगम अधिकारियों ने बताया कि, इस कार्यक्रम को शहर रायपुर सभी 70 वार्डों में आयोजित किया गया है। जिसमें अलग-अगल वार्डों में स्वतंत्रता दिवस तक तिरंगा दौड़, तिरंगा मैराथन, तिरंगा कनसर्ट, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा सम्मान और तिरंगा मेला कार्यक्रम किए जाएंगे।

सीएम ने किया तिरंगा वितरण: देश की आजादी का प्रतीक तिरंगा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य के हर घर में लहराएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को सीए हाउस में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में लोगों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित कर "हर घर तिरंगा" अभियान की शुरुआत की।

बॉयफ्रेंड को लेकर भिड़ गईं लड़कियां

कॉलेज के पास सड़क किनारे एक-दूसरे के बाल खींचे, मारे थप्पड़; बोली- वो मेरा है

सरगुजा एजेंसी। अंबिकापुर में बॉयफ्रेंड को लेकर शुक्रवार को 2 लड़कियों में मारपीट हो गई। दोनों लड़कियों ने एक-दूसरे का बाल पकड़कर भिड़ गईं। एक-दूसरे को थप्पड़ मारना शुरू कर दिया। इस बीच किसी ने वीडियो भी बना लिया। मामला गांधी नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पीजी कॉलेज के पास सड़क किनारे कुछ लड़कियां खड़ी थीं। अचानक से उनमें से 2 लड़कियों के बीच आपस में मारपीट शुरू हो गई। एक लड़की ने दूसरी के बाल पकड़कर खींचते हुए कहा कि, वह मेरा बॉयफ्रेंड है। इसके बाद थप्पड़ मारने शुरू कर दिए।

सहेलियों ने छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन नहीं मानी: एक लड़की दूसरी के बाल पकड़कर लगातार खींचे जा रही थी। उसकी टी-शर्ट खींच रही थी। इस बीच दो लड़कियां और वहां मौजूद एक लड़का उन्हें छुड़ाने का प्रयास करते हैं, लेकिन इसके बाद भी वे नहीं मानतीं। लड़कियों को मारपीट करता देख वहां लोगों की भीड़ लग जाती है।

दोनों पक्षों ने दर्ज नहीं कराई एफआईआर: लोग उन्हें लड़ता हुआ देखते रहते हैं, लेकिन कोई छुड़ाने आगे नहीं आया। काफी देर हंगामा चलता रहा, फिर लड़कियां वहां से चली गईं। दोनों पक्षों की ओर से किसी ने मामला दर्ज नहीं कराया है। गांधीनगर थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने बताया कि अभी तक पुलिस के पास मारपीट को लेकर कोई शिकायत नहीं आई है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल: लड़कियों के भिड़ने का वीडियो मौके पर मौजूद कुछ युवकों ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। बताया गया है कि एक लड़की ने एक लड़के के साथ घूमते हुए कुछ फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे। इसे देखकर दूसरी लड़की आक्रोशित हो गई। दोपहर में दोनों पीजी कॉलेज के पास मिलीं, तो उनमें मारपीट हुई।

7 महीने में 429 हादसे, 236 मौतें

16 ब्लैक स्पॉट चिन्हित, तेज रफ्तार और खराब सड़क हादसों की मुख्य वजह

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पिछले कुछ महीने में सड़क हादसों के ग्राफ में बढ़ोत्तरी हुई है। जिले में अलग-अलग जगह पर 16 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। जनवरी 2024 से जुलाई महीने तक महज 7 महीने में 429 हादसे हुए हैं। जिसमें 236 लोगों की मौत और 495 लोग जख्मी हुए हैं।

बताया जा रहा है कि, अधिकतर हादसों की वजह तेज रफ्तार है। क्योंकि रात या दिन के समय चालकों को सड़क खाली मिलती है, तो वाहनों की रफ्तार बढ़ जाती है। जिसके बाद एकाएक सामने से कोई वाहन आने पर बैलेंस बिगड़ जाता है। जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं।

खराब सड़क भी एक वजह: दुर्घटना का एक कारण खराब सड़क को भी बताया जा रहा है। घरघोड़ा क्षेत्र में यह समस्या अधिक देखी गई है, तो धरमजयगढ़ के सिसरिंगा घाट की ओर सड़क किनारे मिट्टी का पटाव नहीं होने से कई दुर्घटनाएं हुई है।

धरमजयगढ़, कापू क्षेत्र में अधिक हादसे: यह भी बताया जा रहा है कि हाल के सड़क दुर्घटना प्रकरण देखा जाए तो धरमजयगढ़, कापू और घरघोड़ा क्षेत्र में अधिक घटनाएं हुई हैं। इसमें बस दुर्घटना, बाइक की भिड़ंत, कार की टक्कर के अलावा और भी सड़क दुर्घटना शामिल हैं।

ब्लैक स्पॉट में यह है जरूरी: इस मामले में यातायात थाना डीएसपी रमेश कुमार चंद्रा ने बताया कि, सुरक्षा के उपाए पर ध्यान दिया जा रहा है।

चिन्हित ब्लैक स्पॉट में रंबल स्ट्रीप गति अवरोधक, संकेत बोर्ड, स्टॉप लाइन मार्किंग, डिवाइडरों में रेडियम संकेतक बोर्ड, कान्वेक्स मिरर, सोलर ब्लींकर, हाई मास्ट टावर लाइट, चेवरान बोर्ड सहित अन्य प्रस्तावित सुधार कार्य किए जाएंगे।

आदिवासीमय नजर आई बिलासपुर की सड़के

बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर की सड़कें शुक्रवार की सुबह से दोपहर तक आदिवासीमय नजर आईं, जब करमा, ददरिया के मनमोहक नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा में हजारों आदिवासी जय बूढ़ादेव के नारों के साथ शोभायात्रा में निकले।

विश्व आदिवासी दिवस पर जरहाभाठा छात्रावास से सर्व आदिवासी समाज ने झांकियों से साथ शोभायात्रा निकाली, जो मंदिर चौक, इंदू चौक, अंबेडकर चौक, ईदगाह चौक, देवकीनंदन चौक, नेहरू चौक होते हुए लखीराम स्मृति ऑडिटोरियम पहुंची, जहां मुख्य समारोह का आयोजन किया गया।

चलती कार में लड़के-लड़कियों का स्टंट

खिड़की से लटका युवक, सन रूफ खोलकर झूमते दिखे, पुलिस बोली- पहचान कर रहे

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कार सवार लड़के-लड़कियों का स्टंट करते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। लड़के-लड़कियां कार की खिड़की में लटककर स्टंटबाजी कर रहे हैं। वहीं कुछ तो कार का सन रूफ खोलकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं। वीडियो तोरवा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि घटना शुक्रवार रात करीब 9 बजे की है। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के दयालबंद स्थित मेन रोड पर एक काले रंग की कार फर्राटे मारते हुए जगमल चौक तरफ जा रही थी, जिसमें लटककर स्टंटबाजी की गई है।

स्थानीय युवक ने बनाया वीडियो, सोशल मीडिया पर किया वायरल: इस दौरान कार के पीछे से गुजर रहे किसी स्थानीय युवक ने कार सवार युवती-युवकों की इस स्टंटबाजी का वीडियो बना लिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह ट्रैफिक नियमों को दरकिनार कर खतरनाक तरीके से स्टंटबाजी की गई है। कार में सायरन भी लगा हुआ था। हालांकि, कार सवार सायरन नहीं बजा रहे थे।

चौक-चौराहों पर लगे कैमरे, फिर भी पुलिस का खौफ नहीं: शहर में जगह-जगह चौक-चौराहों पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे शहर में होने वाली आपराधिक गतिविधियों के साथ ही ट्रैफिक रूल्स तोड़ने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है।

भिलाई को मिली इलेक्ट्रिक लोको की बड़ी जिम्मेदारी

एसईसीआर की महाप्रबंधक ने किया पीपी यार्ड और इलेक्ट्रिक लोको शेड का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महाप्रबंधक नीनू इटियेरा शुक्रवार को रायपुर रेल मंडल अंतर्गत भिलाई स्थित पीपी यार्ड और इलेक्ट्रिक लोको शेड का निरीक्षण करने पहुंची। उन्होंने इस दौरान पीपी यार्ड भिलाई में स्थित वैगन पार्क का निरीक्षण किया।

वैगन पार्क रायपुर रेल मंडल में आने वाले नए कर्मचारी अप्रेंटिसशिप करू -गार्ड की ट्रेनिंग के लिए निर्मित है। इसमें वैगन के कॉम्पोनेंट, कपलिंग और अनकपलिंग की प्रक्रिया के मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार सहित बिलासपुर मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी और पर्यवेक्षक मौजूद रहे। नीनु इटियेरा ने सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण ब्रेकिंग सिस्टम और सेंटर बफर कपलिंग सीबीसी के मॉडल को देखा। उन्होंने एयर ब्रेक के कन्वेंशनल एयर ब्रेक सिस्टम और बीएमबीएस बोगी माउंटेन ब्रेक सिस्टम के माडल के बारे में जानकारी मांगी।

साथ ही बोगी शॉप में एयर ब्रेक सिस्टम की जानकारी ली। एयर ब्रेक सिस्टम में ब्रेक सिस्टम और एस्कॉर्ट बीएमबीएस सिस्टम में हो रहे बदलाव मोडिफिकेशन का निरीक्षण कर जानकारी ली गई। इसके बाद वो पीपी यार्ड में व्हील शॉप का निरीक्षण करने पहुंची। वहां वैगन के व्हील और बॉक्सएन वैगन के डोर के प्रॉपर ओपनिंग क्लोजिंग को देखा। यार्ड में निरीक्षण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इलेक्ट्रिक लोको शेड में ट्रेक्शन मोटर रोउटर ग्रॉउलर टेस्ट संबंधित टेस्टों को देखा। इलेक्ट्रिक लोको में लगने वाले टोटल लोड कन्वर्टर जो ट्रेन के कोच को पावर सप्लाई करने में उपयोग होते हैं उसकी जांच की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

पहली बार इलेक्ट्रिक लोको शेड (ई एल एस) की मिली जिम्मेदारी: भारतीय रेलवे में पहली बार इलेक्ट्रिक लोको शेड (ई एल एस) भिलाई को ट्विन लोको मिला है। ट्विन लोगों चितरंजन लोको वर्कशॉप से निर्मित है इस लोको का मेंटेनेंस भिलाई लोको शेड में होता है यह अन्य इलेक्ट्रिक लोको से लगभग दुगनी क्षमता का लोको है। इलेक्ट्रिक लोको के संचालन में उपयोग होने वाले कूलेंट, ऑयल, रबर इक्विपमेंट, ग्रीस आदि की जांच के लिए निर्मित धातु विज्ञान शाला का भी उन्होंने निरीक्षण किया।

मैन पॉवर को लेकर भी की चर्चा: भिलाई शेड द्वारा निर्मित ड्रॉप पीट के निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने ड्रॉप पीट में लोको के नीचे हिस्से में लगने वाले पार्ट्स चक्का मोटर ट्रांसफार्मर को बदलने का काम देखा। साथ ही वहां के अधिकारियों से पूछा कि ड्रॉप पीट का काम करने से कितना समय और मैन पावर लगता है।

उन्होंने पीपी यार्ड और इलेक्ट्रिक लोको शेड- भिलाई में महिला कर्मियों के साथ उनके तकनीकी कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जाना कि यहां महिलाएं वेल्डर टर्नर मशीनिस्ट सहित सभी तकनीकी कार्यों का काम करती हैं। उन्होंने महिलाओं को कार्यस्थल पर आने वाली परेशानियां उनको प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की भी जानकारी ली।

दो महिला कक्ष की सौगात: महाप्रबंधक ने इस दौरान महिला कर्मियों के लिए इलेक्ट्रिक लोको शेड में महिला कक्ष की सौगात दी। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण भी किया। रायपुर रेल मंडल के पी पी यार्ड और इलेक्ट्रिक लोको शेड- भिलाई अधिकारियों के साथ विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

बांग्लादेश में फिर शुरू हुए छात्रों का प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने अब सुप्रीम कोर्ट का किया घेराव

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। अंतरिम सरकार बनने के बाद भी विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। अब प्रदर्शनकारी बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सहित सभी न्यायाधीशों के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट का घेराव कर लिया है और अपनी मांग पर अड़े हैं। 'ढाका ट्रिब्यून' समाचार पत्र क खबर के अनुसार प्रदर्शनकारियों, जिनमें अधिकतर छात्र शामिल हैं, उन्होंने बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट को घेर लिया है और चीफ जस्टिस के तत्काल इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

शेख हसीना को छोड़ना पड़ा देश: नौकरियों में आरक्षण प्रणाली के खिलाफ बांग्लादेश में व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था साथ ही उन्हें देश तक छोड़ना पड़ा था। शेख हसीना के बाद नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप चुना गया है। बांग्लादेश की नवगठित अंतरिम सरकार ने 'बड़े देशों' के साथ ढाका के संबंधों में 'संतुलन' बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

भारत में हैं शेख हसीना : शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं जिसे लेकर तमाम तरह की प्रतिक्रिया भी देखने को मिल रही हैं। शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी की कट्टर प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की तरफ से कह गया है कि भारत

में रहने का पूर्व प्रधानमंत्री का फैसला पूरी तरह से उनका और भारतीय अधिकारियों का है। बीएनपी के वरिष्ठ नेता और पार्टी के प्रवक्ता अमीर खसरू महमूद चौधरी ने कहा, ''अभी, वह (हसीना) बांग्लादेश में हत्याओं और लोगों को जबरन गायब करने से लेकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार जैसे कई अपराधों में वांछित हैं।'' चौधरी ने कहा कि यह ''खुद हसीना और भारत सरकार का निर्णय है कि उन्हें पड़ोसी देश में रहना चाहिए या नहीं।''

छात्र नेताओं को मिला मंत्रालय : इस बीच यहां यह भी बता दें कि, बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी प्रदर्शनों के मुख्य समन्वयकों में से एक छात्र नेता नाहिद इस्लाम को देश की नवगठित अंतरिम सरकार में सूचना प्रौद्योगिकी और डाक मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। छात्र आंदोलन के एक अन्य प्रमुख नेता आसिफ महमूद को युवा एवं खेल मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है।

अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में शनिवार (10 अगस्त) सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। माना जा रहा है कि आतंकी डोडा से अनंतनाग के इलाके में घुसे हैं। ऑपरेशन जिले के कोकरनाग टाउन में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों को आतंकवादियों के छिपे होने का इनपुट मिला था। इसके बाद पुलिस और सिक्योरिटी फोर्सेज की ज्वाइंट टीम सर्च ऑपरेशन में लग गई। इसी दौरान आतंकियों ने हमला कर दिया, जिसमें दो जवान घायल हो गए। इलाके में दो से तीन आतंकी के छिपे होने की आशंका है। अभी मुठभेड़ जारी है। पिछले एक साल में कोकेरनाग में यह दूसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले सितंबर 2023 में कोकेरनाग जंगल में आतंकवादियों के साथ एनकाउंटर में तीन जवान शहीद हुए थे। इससे एक दिन पहले 9 अगस्त को पुलिस ने चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए थे। इन्हें आखिरी बार कठुआ जिले के मल्हार, बानी और सोजधर के ढोक में देखा गया था। पुलिस ने आतंकियों की जानकारी देने वालों को 5 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। ये आतंकी कठुआ में हुए सेना के काफिले पर हमले में शामिल हैं।

कोलकाता के हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप, फिर हत्या

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के सरकारी अस्पताल की महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या की गई। शनिवार (10 अगस्त) को आरोपी संजय को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। उसे सियालदह कोर्ट में पेश किया गया था। 23 अगस्त को कस्टडी खत्म होगी। पुलिस ने संजय को 9 अगस्त को गिरफ्तार किया था। सामने आया है कि वो अस्पताल का कर्मचारी नहीं है, बाहरी व्यक्ति है। लेकिन उसकी अस्पताल के अलग-अलग विभागों में काफी पहुंच है। पुलिस के मुताबिक, संजय की हरकतें संदिग्ध हैं। वह सीधे तौर पर घटना में है। साथ ही पुलिस घटना की रात ट्रेनी डॉक्टर के साथ हॉस्पिटल में मौजूद 5 लोगों से पूछताछ कर रही है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुरली धर ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 103 (1) हत्या और सेक्शन 64 (बलात्कार) के तहत केस दर्ज किया है। यह रेप और हत्या का मामला है। जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है।

गडकरी ने पंजाब सीएम मान को पत्र लिखा

अमृतसर (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखा है। पत्र में गड़करी ने एनएचएआई अधिकारियों और ठेकेदारों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार के कदमों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो 14,288 करोड़ रुपए की 293 किलोमीटर की परियोजना बंद करना पड़ेगी। गडकरी ने कहा कि मुझे दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे परियोजना पर हाल ही में हुई दो घटनाओं के बारे में पता चला है। जालंधर जिले में एक ठेकेदार के इंजीनियर को बेरहमी से पीटा गया। गडकरी ने पत्र में दूसरी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि लुधियाना जिले में दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट के ठेकेदार के कैंप पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इन लोगों ने इंजीनियरों और कर्मचारियों को कैंप में जिंदा जलाने की धमकी भी दी। इस मामले में एनएचएआई अधिकारियों की लिखित शिकायत के बाद भी अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है। न बदमाशों को पकड़ा गया है।

मनीष सिसोदिया बोले- सुप्रीम कोर्ट ने तानाशाही को कुचला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आप ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा- सुप्रीम कोर्ट ने संविधान का इस्तेमाल करते हुए कल तानाशाही को कुचला। केजरीवाल भी जल्द बाहर आएंगे। भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं है। सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति केस को लेकर 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने और 9 मार्च 2023 को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

17 महीने बाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोनों मामलों में जमानत दी थी। वे शुक्रवार शाम करीब 6 बजे तिहाड़ से बाहर आए। शुक्रवार रात को सिसोदिया अपने घर पहुंचने से पहले केजरीवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने केजरीवाल के परिवार से मुलाकात की। शनिवार सुबह उन्होंने ङ्ग पर पत्नी के साथ चाय पीते हुए तस्वीर शेयर की। इसके बाद करीब 9 बजे वे कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर पहुंचे। मंदिर में दर्शन के बाद सिसोदिया ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ आप सरकार के मंत्री भी थे। करीब 11 बजे सिसोदिया ने आप ऑफिस पहुंचे। उन्होंने नेताओं से मुलाकात करने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों के खाते में अंतरित किये 1897 करोड़ रूपये

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मध्यप्रदेश में नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य हो रहे हैं। बहनों को स्थानीय निकायों के निर्वाचन में 50त्न आरक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकसभा और विधानसभा में भी बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया। शनिवार को श्योपुर जिले के विजयपुर से प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1897 करोड़ रूपये की राशि के सिंगल क्लिक से अंतरित की गई है। इसमें लाड़ली बहना योजना राशि के 1250 रूपये के अतिरिक्त 250 रूपये की राशि मुख्यमंत्री भैया का रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहनों को उपहार है। साथ ही उज्ज्वला योजना अंतर्गत बहनों को 52 करोड़ रुपए की अनुदान राशि भी अंतरित की गई है। स्व-सहायता समूह की बहनों को 10 हजार 300 करोड़ की ऋण राशि विभिन्न स्व-रोजगार गतिविधियों के लिए वितरित की गई है। यह बहनें विभिन्न प्रकार के

उत्पाद निर्मित कर आत्म-निर्भर बन रही है और रिकॉर्ड बना रही है। आज विजयपुर में बहनों का कुंभ आयोजित हुआ है। पूरे प्रदेश में आज 25 हजार स्थान पर कार्यक्रम हो रहे हैं। यह नारी सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को श्योपुर जिले के विजयपुर में स्व-सहायता समूह सम्मेलन एवं रक्षाबंधन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 344 करोड़ रूपये के 158 कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। साथ ही बहनों को लाड़ली लक्ष्मी सहित अन्य योजनाओं के हितलाभ वितरित किये गये। उन्होंने श्योपुर जिले की वीरपुर और कराहल तहसीलों को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की और क्षेत्र विकास के लिए अनेक सौगातें दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता-बहनें घर की रौनक, आनंद और मर्यादा होती हैं। राखी-धागे का संबंध सारे रिश्तों से बड़ा है। सावन के महीने में रक्षाबंधन का त्यौहार, त्यौहारों का राजा है। त्यौहारों को सामूहिकता में मनाने का आनंद ही कुछ और है। आज पूरा मध्यप्रदेश एक साथ त्यौहार मना रहा है। रक्षाबंधन के दिन जब 19 अगस्त को बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक करेंगी तो ऐसा लगेगा जैसे मध्यप्रदेश के भाल पर तिलक हो गया हो। इससे प्रदेश का मस्तक गौरव से ऊँचा हो जाएगा। उन्होंने कहा के प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में घर-घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में तेज गति से विकास हो रहा है। पहले मध्यप्रदेश का बजट मात्र 20 हजार करोड़ हुआ करता था जो अब बढ़कर साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए हो गया है, अगले 5 सालों में यह 7 लाख करोड़ हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत इस क्षेत्र में चंबल, कालीसिंध और पार्वती नदियों को जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है।

जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को यहां मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के लाभ व क्षेत्रीय समृद्धि के लिए भारत-मालदीव के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। जयशंकर मालदीव की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। पिछले साल चीन समर्थक मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के

बाद यह भारत की ओर से मालदीव की पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने बैठक की तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स पर लिखा, ''राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात कर गौरवान्वित महसूस किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं प्रेषित की। हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

मोदी वायनाड लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों में पहुंचे

नई दिल्ली/वायनाड (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (10 अगस्त) को केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों के दौरे पर हैं। वे सुबह 11 बजे स्पेशल विमान से कन्नूर एयरपोर्ट पहुंचे। कन्नूर से मोदी सुबह 11ऽ15 बजे भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से वायनाड गए। उन्होंने रास्ते में लैंडस्लाइड प्रभावित चूरलमाला, मुंडक्कई और पुंचिरीमट्टम गांवों का हवाई सर्वेक्षण किया। मोदी ने वो जगह देखी, जहां से 30 जुलाई की रात तबाही शुरू हुई थी। इसी जगह से इरुवाझिनजी पुझा नदी भी शुरू होती है। मोदी का हेलीकॉप्टर वायनाड स्थित कलपेट्टा में उतरा। वे सबसे पहले जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लारमाला गए। इस स्कूल में 582 छात्र थे, जिनमें से 27 लैंडस्लाइड के बाद लापता हैं। प्रधानमंत्री ने स्कूल में 15 मिनट बिताए। उन्होंने

सीएम विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी से पूछा कि कितने बच्चों ने अपने परिवार को खोया है। कलपेट्टा से मोदी सड़क के रास्ते लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों में गए और रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। उन्होंने राहत शिविरों और अस्पतालों में पीड़ितों से मुलाकात की। क्करू मोदी चूरलमाला में 190 फुट लंबे बेली ब्रिज पर भी गए, जिसे भारतीय सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बनाया था।

चंडीगढ़ पीजीआई दीक्षांत समारोह में शामिल हुए सीजेआई चंद्रचूड़

चंडीगढ (एजेंसी)। चंडीगढ़ पीजीआई के दीक्षांत समारोह में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने 80 डॉक्टरों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और 508 डॉक्टरों को डिग्री प्रदान की। चंडीगढ़ पीजीआई के इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई चीफ जस्टिस संस्थान के दीक्षांत समारोह में शामिल हुआ हो। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि चंडीगढ़ शहरी नियोजन का बेहतरीन हिस्सा है। कैपिटल कॉम्प्लेक्स, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, सुखना झील इसके अच्छे उदाहरण हैं।

पीजीआई चंडीगढ़ में आयोजित इस दीक्षांत समारोह का निमंत्रण जब उन्हें मिला तो उन्हें अपने जीवन की एक घटना याद आ गई। चीफ जस्टिस ने बताया बताया कि 2021 में वह अपने परिवार के साथ शिमला जा रहे थे। तभी उनकी बेटी प्रियंका को सांस लेने में तकलीफ हुई। इसके बाद उसे इस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका 6 सप्ताह तक इलाज चला।

यूके आने वाले विदेशी कामगारो व छात्रों की संख्या में भारी गिरावट

लंदन (एजेंसी)। यूके में आने वाले विदेशी कार्यकर्ताओं और छात्रों की संख्या में भी गिरावट आई है। यह गिरावट रिषी सुनक की पूर्व सरकार द्वारा वीजा पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण हुई है। जुलाई 2023 में 1,43,000 लोगों ने यूके में कुशल कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कर्मी और अध्ययन वीजा के लिए आवेदन किया था, जबकि जुलाई 2024 में यह संख्या घटकर 91,300 हो गई है, जो 36त्न की कमी को दर्शाता है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के माइग्रेशन ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, अगले पांच वर्षों में शुद्ध आव्रजन में काफी गिरावट की संभावना है।

जगदीप धनखड़ को हटवाने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के सभापति और विपक्षी सदस्यों के बीच अनबन 10 अगस्त को टकराव में बदल गई। नौबत इस हद तक पहुंच गई कि विपक्षी दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली है। प्रस्ताव औपचारिक रूप से आता है तो संसदीय इतिहास में पहली बार होगा कि उपराष्ट्रपति को हटाने की पहल विपक्ष कर रहा होगा।

सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा में सपा सांसद जया अमिताभ बच्चन और जगदीप धनखड़ के बीच हुई बहस के बाद माहौल बिगड़ गया।

राज्यसभा के 87 सदस्यों ने आनन-फानन में उपराष्ट्रपति को हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए। कांग्रेस के एक राज्यसभा सदस्य के मुताबिक, 'प्रस्ताव पर कांग्रेस के 4-5 सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। इंडिया ब्लॉक के राज्यसभा में 87 सदस्य हैं। संभव है कि बाहर के सदस्यों ने भी हस्ताक्षर किए हैं।' बताया जाता है कि दो दिन पहले सदन के नेता जेपी नड्डा को भी अनौपचारिक रूप से बता दिया गया था कि विपक्ष धनखड़ को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। दरअसल, धनखड़ और विपक्ष के बीच लंबे समय से तकरार चल रही है। गुरुवार को ऐसी ही तनातनी के बीच धनखड़ आसंदी से उठ गए थे। इंडिया ब्लॉक के मुताबिक, नोटिस के जरिए वह सभापति के 'पक्षपातपूर्ण' रवैये को उजागर करेगा।

अच्छी बात है प्रधानमंत्री वायनाड गए..., जयराम रमेश बोले- उम्मीद है कि मणिपुर जाने का भी समय मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वायनाड गए हैं और उम्मीद है कि वह मणिपुर का दौरा करने के लिए भी समय निकालेंगे, जो पिछले 15 महीनों से दर्द झेल रहा है।

विपक्षी दल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब मोदी केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड के दौरे पर हैं। इसके बाद यह स्वघोषित

अवतार एक बार फिर युद्ध को रोकने के लिए यूक्रेन का दौरा करने वाले हैं। उम्मीद है कि उसके पहले वह मणिपुर का दौरा करने का समय और इच्छाशक्ति दोनों ही ढूँढ निकालेंगे कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, यह अच्छी बात है कि 'नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री आज वायनाड में हैं। यह एक विनाशकारी त्रासदी थी।

मालदीव के राष्ट्रपति ने बांधे भारत की तारीफों के पुल, बताया करीबी और बहुमूल्य साझेदार

मालदीव (एजेंसी)। के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शनिवार को कहा कि भारत की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि भारत हमेशा से एक करीबी सहयोगी और बहुमूल्य साझेदार रहा है तथा उनके देश को ''जब भी उसकी जरूरत पड़ी तब नयी दिल्ली ने हर तरह की सहायता प्रदान की है। उन्होंने

मालदीव में 28 द्वीप क्षेत्रों में जलापूर्ति व सीवर सुविधाएं शुरू किए जाने को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

भारत सरकार ने भारतीय एक्जिम बैंक के माध्यम से ऋण सुविधा के तहत इन परियोजनाओं का वित्तपोषण किया है।

सीएम हेमंत के जन्मदिन पर राहुल गांधी ने दी बधाई

रांची (एजेंसी)। आज झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन का 49वां जन्मदिन है। इस मौके पर बड़े-बड़े नेता उन्हें बधाई दे रहे हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना कर रहे हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सीएम हेमंत सोरेन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं है। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गरीबों, वंचितों तथा आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ेगा तथा जीतेगा। वहीं, कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। 'इंडिया' गठबंधन देश में सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी विकास के लिए मिलकर लड़ रहा है।'' बता दें कि आज हेमंत सोरेन 49 साल के हो गए हैं। उनके जन्मदिन पर झामुमो कार्यकर्ता सीएम आवास में 49 पाउंड का केक काटेंगे। सीएम आवास को गुब्बारों से सजाया गया है।

आईपीएल में ही कोचिंग करना चाहते हैं पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग अगले सत्र में भी आईपीएल में ही कोचिंग करते दिखेंगे। पोंटिंग लंबे समय तक आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के कोच रहे हैं पर अब उनका ये अनुबंध समाप्त हो गया है। उनके इंग्लैंड टीम के कोच बनने की संभावनाएं जतायी जा रहीं थीं पर पोंटिंग इसके लिए तैयार नहीं हैं। इसका कारण है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूर्णकालिक कोच बनने तैयार नहीं हैं। इसका कारण है कि वह वह परिवार के साथ भी समय बिताना चाहते हैं पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग में ये संभव नहीं है। कोच को लंबे समय तक टीम के साथ रहना पड़ता है। इस को लेकर इस पूर्व कप्तान ने कहा कि मुझे अपने टीवी काम के साथ-साथ अन्य प्रतिबद्धताएं भी मिली हैं मैं जो चीजें करता हूं और घर पर अच्छे समय के साथ इसे संतुलित करने की भी कोशिश करता हूं। एक कार्यक्रम में पोंटिंग ने कहा,अन्य अंतरराष्ट्रीय टीमों को कोचिंग देना एक बात है पर एक ऑस्ट्रेलियाई के लिए इंग्लैंड को कोचिंग देना शायद थोड़ा अलग है। अभी मेरे पास ऑस्ट्रेलिया में ही काफी काम है। पोंटिंग ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच भ रहे थे। इसके अलावा टी20 विश्वकप के बाद हुए मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में वह वाशिंगटन फ्रीडम टीम के कोच थे। इस टीम के साथ उनका करार 2025 तक है। पोंटिंग ने कहा कि वह आईपीएल में फिर से कोचिंग करना चाहेंगे क्योंकि इसमें वह एक खिलाड़ी के बाद कोच की भूमिका में रहे हैं।

विनेश के नाम हैं कई रिकार्ड

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले आयोग्य घोषित कर मुकाबले से बाहर कर दी गयीं महिला पहलवान विनेश ने हताश होकर खेल से संन्यास भले ही ले लिया हो पर विनेश के नाम कई ऐसे रिकार्ड हैं जिन्हें तोड़ना किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल रहेगा।

ऐसे में महिला पहलवानों में विनेश को आने वाले कई साल तक याद किया जाएगा। वह ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान है। विनेश सबसे पहले रडियो ओलंपिक 2016 में उतरीं थी। इसके बाद उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भी भाग लिया हालांकि वह पदक नहीं जीता पायीं। । इसके अलावा विनेश के नाम राष्ट्रमण्डल खेलों में भी कुल तीन पदक हैं। उसने दो विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीते हैं। उसके नाम एक एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक भी है। वह 2021 में एशियाई चैंपियन भी रहीं। विनेश अपने गुरु और ताऊ महावीर सिंह फोगट के मार्गदर्शन में बहुत कम उम्र में ही अखाड़े में उतरीं थीं। जूनियर वर्ग में शानदार प्रदर्शन के बाद विनेश ने साल 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता, इसमें उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने इस्तांबुल में ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट जीतकर रियो 2016 में भी जगह बनायी थी। वह रियो में क्वार्टर फाइनल में पहुंची पर घुटने की चोट के कारण बाहर हो गयीं।

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही मीराबाई चानू

पेरिस (एजेंसी)। भारत की अनुभवी महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू का पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया है। चानू पेरिस ओलिम्पिक के 49 किलोग्राम भाग वर्ग में चौथे स्थान पर रहने के साथ ही मुकाबले से बाहर हो गयीं। चानू ने स्नैच में 88 जबकि क्लीन एंड जर्क में 111 किलोग्राम का वजन उठाने के साथ ही कुल 199 किलो वजन उठाया पर से पदक के लिए पर्याप्त नहीं था। वहीं चीन की होउ झिहुई ने कुल 206 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण अपने नाम किया जबकि रोमानिया की कैम्बी मिहेला वेलेंटीना 205 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे जबकि थाईलैंड की खंबाओ सुरोद्चना 200 किग्रा वजन उठाकर तीसरे स्थान पर रहीं। चानू ने स्नैच में पहले पहला प्रयास में 85 किलोग्राम जबकि दूसरे में 88 किलोग्राम व तीसरे में 88 किलोग्राम वजन उठाया। वहीं क्लीन एंड जर्क में पहले ही प्रयास में पहला प्रयास = 111 किलोग्राम वजन उठाकर वह असफल रहीं। जबकि दूसरे प्रयास मे 111 किलोग्राम वजन उठाकर सफल रहीं। तीसरे प्रयास में उन्होंने 114 किलोग्राम वजन उठाया और असफल रहीं। इस प्रकार उन्होंने कुल 199 किलोग्राम वजन उठाया।

एमएस धोनी नकैप्ड और कैप्ड खिलाड़ी? आर अश्विन ने बताया पूरा सच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के क्रिकेट इतिहास में सबसे सफल कप्तानों में एक रहे एमएस धोनी के आईपीएल भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के सबसे सफल कप्तान धोनी आईपीएल 2025 में खेलेंगे या नहीं इस पर अभी भी संदेह है। साथ ही क्रिकेट फैंस भी धोनी के बारे में जानना चाहते हैं कि वो अगले सीजन में पीली जर्सी में नजर आएंगे या नहीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएसके चाहती है कि धोनी खेलें और उन्हें टीम में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया जाए। आईपीएल में पहले ये नियम था कि अगर कोई खिलाड़ी जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट में रिटायर हुए 5 या उससे ज्यादा हो चुके हैं तो उसे अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाए। अब इस नियम को 2021 के बाद खत्म कर दिया गया लेकिन चेन्नई चाहती है कि, धोनी के मामले में इस नियम को फिर से लाया जाए। जिससे फ्रेंचाइजी उन्हें अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में रिटेन कर सके। अब धोनी इस समय कैप्ड खिलाड़ी हैं या अनकैप्ड खिलाड़ी इस पर टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन ने बताया है। अश्विन के अनुसार, शायद सीएसके धोनी को अनकैप्ड प्लेयर के रूप में टीम में बनाए रख सकती है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस विषय पर चर्चा की साथ ही इस तरह से निर्णय के परिणाम और प्रभाव पर भी अपनी बात रखी। अश्विन ने कहा कि क्या धोनी अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर खेलेंगे और ये बड़ा सवाल है। इसके बाद उन्होंने कहा कि बात सही है क्योंकि धोनी ने कई साल से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और वो रिटायर हो चुके हैं, इसलिए वो अब अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। धोनी अब कैप्ड खिलाड़ी नहीं है। क्या धोनी जैसा खिलाड़ी अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर खेल सकता है और ये अगल विषय है जाहिर है अगर कोई धोनी के बारे में बात करता है तो हर कोई इसके बारे में बात करेगा। गौरतलब है कि, एमएस धोनी को आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में चेन्नई ने 12 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिचली मेगा नीलामी के नियमों के मुताबिक अगर धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर रखा जाता तो चेन्नई को महज 4 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते

महिला पहलवान रितिका पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला पहलवान रितिका हुड्डा क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी है। रितिका ने 76 किलोग्राम वर्ग में हंगरी की बर्नाडेट नैगी को 12-5 को हरा कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। रीतिका ने शुरुआती मुकाबले को 12-2 से तकनीकी श्रेष्ठता के आभार पर जीता। वह पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी इसके बाद दूसरे पीरियड में उसने शानदार प्रदर्शन कर विरोधी पहलवान बर्नाडेट को जीत का कोई अवसर नहीं दिया। अब अगले दौर में रितिका का मुकाबला किर्गिस्तान की मेडेट काइजी एइपेरी से होगा। क्वार्टरफाइनल में रीतिका अगर जीत हासिल करती हैं तो उसके पदक जीतने की उम्मीदें बन जाएंगी हालांकि उसके लिए ये आसान नहीं होगा। ऐसे में उम्मीद यही की जा रही है कि रीतिका क्वार्टर फाइनल में किस भी तरह जीत हासिल करें वह पहली बार ओलंपिक में गयी है और महिलाओं के हैवीवेट वर्ग में भाग लेने वाली पहली भारतीय पहलवान है। रितिका अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप 2023 की विजेता रही हैं। रीतिका पहले हैंडबॉल खेलती थी पर पिता के कहने पर उन्होंने हैंडबॉल को छोड़कर कुश्ती को अपनाया। किसान पिता जगबीर चाहते थे कि उनकी बेटी टीम गेम की जगह कोई व्यक्तिगत गेम खेले. इसलिए उन्होंने रीतिका को कुश्ती चुनने की सलाह दी जो सफल होती दिखी रही है। वहीं भारत की ही अन्य महिला पहलवान अंशु मलिक पहले ही हार कर बाहर हो गयीं थीं जबकि विनेश फोगाट को वजन वर्ग में अधिक होने के कारण फाइनल से पहले ही बार कर दिया गया था।

उत्तर प्रदेश के मेरठ में शुरु होगी आधुनिक शूटिंग रेंज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ के उभरते हुए निशानेबाजों को अब अभ्यास के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि यहां आने वाले समय में एक आधुनिक शूटिंग रेंज शुरू होने वाली है। ये शूटिंग रेंज कैलाश प्रकाश स्टेडियम में बनी है। इसमें खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 8 करोड़ से अधिक की लागत से हाईटेक निशानेबाजी रेंज बनकर तैयार हो गयी है। अब केवल इसका उद्घाटन होना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसमें 51 टारगेट लगाए जाएंगे। ऐस में हर दिन 200 से अधिक युवा खिलाड़ी यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इसमें युवाओं को शूटिंग का प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए कोच की सुविधा भी उपलब्ध है जिससे युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा। शासन के मानक के अनुसार बेहद कम शुल्क पर युवाओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है. इसमें 8 साल से लेकर 18 साल तक के युवाओं के लिए जहां 200 रुपए साल का शुल्क शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। वहीं 18 साल से अधिक उम्र वाले युवाओं को 200 रुपए प्रति माह शुल्क जमा करना होगा। उसके बाद यहां निशानेबाजी की तैयारी कर सकेंगे। इससे युवा प्रतिभाओं को आगे आने का अधिक अवसर मिलेगा।

टीम इंडिया का ये खिलाड़ी जल्द रचाएगा शादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया और पंजाब किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा जल्द ही शादी के बंधन में बंधेंगे। फिलहाल अभी उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड शालका मकेश्वर से सगाई कर ली है। 30 वर्षीय जितेश ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी देते हुए दो तस्वीरें शेयर की हैं। वहीं जितेश ने इसके कैप्शन में लिखा, इस अजीबोगरीब दुनिया में, हमें अपना हमेशा के लिए 8.8.8, 8 अगस्त 2024 को मिला। टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जितेश को बधाई दी है। जितेश शर्मा के सगाई की घोषणा करने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने भी उन्हें बधाई दी है। भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जितेश को बधाई देते हुए लिखा कि, बहुत बहुत बधाई भाऊ और वाहिनी दोनों को। बता दें कि, शालका मकेश्वर नागपुर की रहने वाली हैं और पेशे से आईटी इंजीनियर हैं। वो बतौर सीनियर टेस्ट इंजीनियर सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करती हैं। मकेश्वर ने प्रोफेसर राम मेघे कॉलेज ऑफ इंजीनियर एंड मैनेजमेंट से इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में बीई और यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंडीनियरिंग से डिजाइन में एमटेक किया है।

पेरिस ओलंपिक में अमन सहरावत को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के 57 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीता है। अमन ने तीसरे स्थान के लिए हुए इस मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन टोई क्रूज को 13-5 से हराया। अमन की जीत के साथ ही भारत ने ओलंपिक में अपना छठवां पदक जीता है। सहरावत का ओलंपिक पदक तक का सफर बेहद कठिन रहा है। बचपन में ही माता-पिता के नहीं रहने के बाद अमन और उनकी छोटी बहन पूजा सहरावत को ताऊ और दादा ने संभाला। अमन का लगाव कुश्ती के प्रति था और इसके लिए उन्होंने कोच ललित कुमार से प्रशिक्षण लेना शुरु कर दिया।

विनेश फोगाट पर सुनवाई पूरी, फैसला जल्द आने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाफ को पेरिस ओलंपिक फाइनल से ठीक पहले वजन अधिक होने के आरोप में अयोग्य करार दिये जाने के मामले में सुनवाई पूरी हो गयी है। इस मामले में अब फैसला जल्द आने की उम्मीद है। विनेश ने इस प्रकार अयोग्य ठहराने जाने के खिलाफ भारतीय ओलंपिक संघ कोर्ट (आईओए) के साथ मिलकर ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (कैस) में अपील की थी। कैस में इस मामले को लेकर 3 घंटे सुनवाई चली। फाइनल से पहले विनेश का वजन उनके 50 किलो वर्ग में 100 ग्राम अधिक पाया गया था। आईओए को उम्मीद है कि इस मामले में फैसला विनेश के पक्ष में आयेगा।

आईओए ने अपने एक बयान में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ को उम्मीद है कि विनेश की अपील पर कोई अच्छा फैसला आयेगा।' विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज उतरीं जबकि वह सेमीफाइनल में विनेश से हारी थी। विनेश ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रुप से रजत पदक दिये जाने की अपील की है।

विनेश का कहना है कि मंगलवार को लोपेज के खिलाफ हुए मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित 50 किलो सीमा के अंदर था। विनेश का पक्ष सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे और विदुष्पत सिंघानिया ने रखा। आईओए ने कहा, 'मामला विचाराधीन है, इसलिए आईओए अभी इतना ही कह सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई आर्बिट्रेटर डॉक्टर अनाबेल बेनेट एसी एसी ने सभी पक्षों को सुना। इस दौरान विनेश के अलावा यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग, इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी और आईओए ने अपनी ओर से पक्ष रखे। सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई से पहले एफिडेविट जमा करने को कहा गया था। उसके बाद ही बहस हुई। आईओए ने कहा, 'आर्बिट्रेटर बेनेट ने संकेत दिया कि आदेश का कार्यकारी हिस्सा जल्दी ही आएगा। वहीं विस्तृत फैसला बाद में सुनाया जाएगा।' वहीं आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'आईओए मानता है कि विनेश का साथ देना उसका काम है क्योंकि हमें उसकी उपलब्धियों पर गर्व है।'

भारतीय हॉकी टीम का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय हॉकी टीम का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर उतरते ही भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान भारी तादाद में प्रशंसक उपस्थित थे। सभी खिलाड़ियों का स्वागत फूल माला पहनाकर किया गया। इस दौरान भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, पदक तो पदक होता है। देश के लिए पदक जीतना सम्मान की बात होती है। हम स्वर्ण जीतना चाहते थे जिसका सपना तो पूरा नहीं हुआ पर इस बात की खुशी है कि खाली हाथ नहीं आए। भारतीय टीम को इस साल स्वर्ण का प्रबल दावेदार माना जा रहा था और उसने ऑस्ट्रेलिया जैसे टीम को हराया था पर सेमीफाइनल में हार से उसे कांस्य से ही संतोष करना पड़ा।

तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने स्पेन को 2-1 से हराया। हवाई अड्डे पर प्रशंसकों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम थे। प्रशंसक ढ़ोल लेकर हवाई अड्डे पहुंचे थे। इस दौरान प्रशंसकों के साथ ही खिलाड़ी भी ढोल की धुन पर नाचे हालांकि लंबे सफर के कारण सभी थके हुए थे। हरमनप्रीत ने इस टूर्नामेंट में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए कुल 10 गोल किये। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में भी हरमनप्रीत ने ही दोनो गोल दागे थे। उनके अलावा अनुभवी गोलकीपर गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे टूर्नामेंट में कई गोल रोककर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। श्रीजेश ने ओलंपिक के साथ ही खेल से भी संन्यास ले लिया। ऐसे में टीम ने जीत उन्हें समर्पित कर दी।

योजनाओं के माध्यम से बहनें बन रही आत्मनिर्भर : राज्यमंत्री

लाडली बहना योजना में मुख्यमंत्री ने किये 1897 करोड रूपये अंतरित

राज्यमंत्री, सांसद, महापौर, कलेक्टर ने बहनों से बंधवाई राखी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर जिले के विजयपुर में आयोजित लाडली बहनो के लिए आभार सह उपहार के राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश भर की 1 करोड 29 लाख लाडली बहनों को रक्षाबंधन के उपहार के रूप में 1897 करोड रूपये की राशि उनके खातों में आंतरित की। लाडली बहनों के लिए यह कार्यक्रम जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक उत्सव के रूप में मनाया गया। सतना में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन टाउन हाल में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, कलेक्टर अनुराग वर्मा, स्पीकर राजेश चतुर्वेदी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में लाडली बहनों ने सभी को उत्साहपूर्वक राखी बांधी। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी और सांसद सिंह ने दीप प्रज्जवलन कर किया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से बहनों का जीवन बदल रहा है। बहनें ना केवल आत्मनिर्भर हो रहीं है, बल्कि आत्मविश्वास से परिपूर्ण भी हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोक हितैषी नीति पर योजनायें बनाती है और पूरी ईमानदारी, नेक नीयति से उद्देश्य पूरा होने तक लगातार क्रियान्वित भी करती है। राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बेटियां जब शिक्षित होती है तो वह दो परिवारों को शिक्षित बनाती है। जब तक नारी शिक्षित नहीं होगी तब तक कोई भी समाज आगे नहीं बढ सकता।

राज्यमंत्री ने कहा कि बहनें रक्षाबंधन के त्यौहार पर भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर रक्षा और कुशलता की कामना करती हैं। स्वतंत्रता दिवस का पावन त्यौहार 15 अगस्त भी बहने रक्षाबंधन के साथ उत्साह पूर्वक मनाये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान में सभी बहने सहभागिता निभाएं और एक तिरंगा अपने-अपने घर में अवश्य लगायें।

राज्यमंत्री बागरी ने कहा कि सरकार ने सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को नया रूप देकर उन्हें प्ले स्कूल की तरह विकसित किया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एक हजार रूपये वार्षिक और मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका को 500 रूपये की वार्षिक बढ़ोत्तरी उनके मानदेय में की गई है। चिकित्सा सहायता के लिए कार्यकर्ता और सहायिका को आयुष्मान कार्ड की पात्रता दी गई है। इसके साथ ही उन्हें लाडली बहना योजना का भी लाभ दिया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को सेवानिवृत्ति पर एक मुस्त राशि भी दी जाएगी।

सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार लगातार महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रही है। देश की आधी आबादी को सशक्त करने पर देश आत्मनिर्भर बनेगा। सांसद ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने बेटियों के जन्म से ही लखपति बनाने की लाडली लक्ष्मी योजना और बहनों के सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना क्रियान्वित कर पूरे देश में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। राज्य सरकार की जन हितैषी योजनाओं से समाज में वैचारिक बदलाव आया है। बेटियों-बहनों का परिवार, समाज में सम्मान बढ़ा है। सांसद सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कोई भी जनहितैषी योजनाएं बंद नहीं की जाएगी, बल्कि उन्हें और विस्तारित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम और हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। सभी बहनें इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले।

राज्यमंत्री की दादी को जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की दादी देवलली बागरी के निधन पर शनिवार को सांसद गणेश सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर राजेश चतुर्वेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने ग्राम हरदुआ पहुंच कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री बागरी की दादी देवलली बागरी का गुरुवार को उनके गृह ग्राम हरद्दुआ में निधन हो गया था। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में पूर्व महापौर ममता पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पराज बागरी, रमाकांत गौतम, विश्वनाथ तिवारी, अवधेश सिंह, रामसागर पाण्डेय, लोकेश सिंह, रामसहाय गौतम, सचिन सिंह, पूर्व विधायक गुनौर शिवदयाल बागरी, पार्षद गोपी गेलानी, अरूण सिंह, सूरज गुर्जर सहित क्षेत्र गणमान्य लोगों के नाम शामिल है।

जिले में हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियां प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार पूर्व वर्षों की भांति मैहर जिले में भी 9 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान को जन अभियान के रूप में मानने और इसे ग्रामीण स्वच्छता विकास एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर रानी बाटड ने सभी जनपद पंचायत के सीईओ, नगरीय निकाय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को शासन के निर्देशानुसार गतिविधियों और कार्यवाहियां संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रभात फेरी/झंडा यात्रा का आयोजन किया जाए प्रमुख रूप से यदि किसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का घर अथवा शहीद स्मारक है तो उसे आवश्यक रूप से सम्मिलित किया जाए। सभी शासकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज सम्मान पूर्वक फहराने एवं उतारे जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

इसी प्रकार सभी ग्राम वासियों के घरों की छतों पर राष्ट्रीय ध्वज, ध्वज संहिता का पालन करते हुए लगाया जाए। सभी विद्यालयों में राष्ट्रीय पर्व से संबंधित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे वाद-विवाद, निबंध, लेखन, भाषण, प्रतियोगिता, रंगोली एवं चित्रकला की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए। 9 से 15 अगस्त तक विभिन्न गतिविधियों का संचालन अनिवार्य रूप से किया जाए। एक पेड़ मां के नाम अभियान को भी इस अभियान के साथ जोड़कर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। विद्यालयों/महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज की महिमा, गरिमा एवं महत्व के बारे में बताया जाए।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान चलाया जाकर समुदाय के लोगों के सहयोग से स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई जाए। ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत अमृत सरोवर स्थलों पर ध्वजारोहण, स्वच्छता कार्यक्रम एवं तिरंगा यात्रा आवश्यक रूप से आयोजित करें। राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूह की दीदीयों द्वारा किया जाकर 25 रूपये प्रति नग की दर से उपलब्ध कराया जाएगा। जिसे जनपद कार्यालयों से प्राप्त किया जा सकेगा।

अभियान को जनमानस से जोड़कर तथा प्रत्येक व्यक्ति को शामिल करने हेतु अधिक से अधिक गतिविधियों का संचालन करते हुए आवश्यक कार्यवाहियां की जाए तथा सभी कार्यक्रमों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की जाकर नोडल अधिकारी को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

132 केवी सब स्टेशन का मेंटेनेंस शेड्यूल

रविवार को गुल रहेगी सतना शहर के अधिकांश क्षेत्रों में बिजली

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। 11 अगस्त रविवार को शहर के अधिकांश क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। पिछले दिनों सतना शहर ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति करने वाले पतेरी सब स्टेशन में आई खराबी को दूर करने की कवायद बिजली कंपनी ने शुरू कर दी है। इसके लिए मेंटेनेंस शेड्यूल जारी कर दिया गया है। जिस वजह से कल यानी रविवार के अवकाश के दिन बिजली उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

मप्र पूर्वी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी शहर संभाग सतना के मुताबिक, सतना शहर संभाग अंतर्गत 132 चङ्क उपकेंद्र पतेरी मे 11 अगस्त रविवार को ट्रांसमिशन कंपनी की टीम मेंटेनेंस करेगी। जिसके कारण सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक पतेरी, विराट नगर, उमरी, आकाश गंगा नगर, अर्जुन नगर, जवाहर नगर, मंदाकिनी विहार, बगहा, सिविल लाइन, राजेन्द्र नगर, धवारी, प्रेम नगर, निशांत विहार, कोलगवा, पौराणिक टोला, कोर्ट परिसर, प्रभात विहार, भरहुत नगर, फ्रैंड्स कालोनी, बांधवगढ़ कॉलोनी, बिरला कॉलोनी एवं औद्योगिक क्षेत्र की बिजली गुल रहेगी।

इसी तरह बस स्टेंड, रीवा रोड, मुख्तियार गंज, एमपी नगर, बरदाडीह , बम्हनगवां ,शिव कॉलोनी, सिद्धार्थ नगर, सिंधी कैंप चाणक्यपुरी कॉलोनी ,आदर्श नगर, घूरडांग संतोषी विहार कॉलोनी में भी इसी समय बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी।

सारे जहां से अच्छा............. देशभक्ति गीत से गूंजा टाउन हॉल

राज्यमंत्री, सांसद, महापौर सहित लाडली बहनों ने मिलाया स्वर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 9 अगस्त से 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेश की 1 करोड़ 29 लाख लाडली बहनों को रक्षाबंधन का उपहार के जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित लाडली बहनों ने देशभक्ति गीत सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा............. सस्वर गाकर पूरे टाउन हॉल को गूंजायमान कर दिया। अपने हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति गीत गाती लाडली बहनों को देखकर राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह और महापौर योगेश ताम्रकार अपने आप को रोक नहीं सके। सभी ने अपने हाथों में तिरंगा और माइक लेकर सारे जहां से अच्छा.......... गीत में अपने स्वर मिलाये।

मैहर जिले में लाडली बहना योजना का राज्य स्तरीय कार्यक्रम देखा व सुना गया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यक्रम 10 अगस्त 2024 को विजयपुर जिला श्योपुर में आयोजित कार्यक्रम में "मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना" की लाभार्थी महिलाओं को माह अगस्त की मासिक आर्थिक सहायता राशि एवं रक्षाबन्धन पर्व के उपलक्ष्य में विशेष आर्थिक सहायता राशि का अंतरण किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वेबकास्ट द्वारा मैहर जिले में कार्यक्रम स्थल मैहर के नगर पालिका पर्यटन केन्द्र पर देखा व सुना गया। इस मौके पर लाडली बहनों द्वारा विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी और कलेक्टर रानी बाटड की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में शामिल लाडली बहनों ने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकाश सिंह, महिला बाल विकाश अधिकारी राजेंद्र बांगरे, सीएमओ लालजी ताम्रकार सहित लाड़ली बहनें, स्व-सहायता समूह की बहनें तथा उज्जवला योजना व पेंशन योजना के हितग्राही उपस्थित रहे। इसी प्रकार मैहर जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण लाडली बहनों द्वारा देखा व सुना गया।

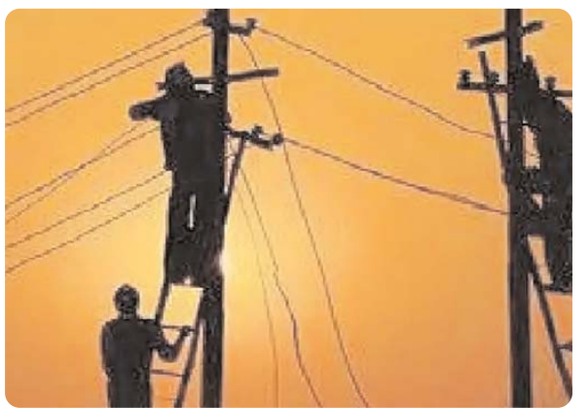

कलेक्टर ने राजस्व अभियान 2.0 के तहत रामनगर तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने शनिवार को राजस्व महाअभियान 2.0 के अंतर्गत जिले के रामनगर तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर बाटड ने कहा कि नक्शा तरमीम तथा अभिलेखों के सुधार के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें।

प्रकरण जब तक अंतिम रूप से निराकृत होकर नक्शा तरमीम न हो जाए तब तक उसे रिकार्ड रूम में न भेजें। यह अभियान 31 अगस्त तक जारी रहेगा। एक बार पुनः सभी ग्रामों में बी-1 का वाचन कराकर फौती नामांतरण के प्रकरण दर्ज कराएं।

जिला स्तरीय डायग्नोस्टिक दल गठित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले में रबी फसलों में कीट व्याधि नियंत्रण तथा कृषकों को सामयिक तकनीकी जानकारी देने एवं क्षेत्र के भ्रमण के लिए जिला स्तरीय डायग्नोस्टिक दल का गठन किया गया है। जिसमें कृषि अधिकारी एवं कृषि वैज्ञानिक शामिल किये गये है।

कलेक्टर अनुराग वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार परियोजना संचालक आत्मा राजेश कुमार त्रिपाठी एवं सहायक संचालक कृषि आरएस बागरी को सम्पूर्ण जिले के लिए दल प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार कार्यक्रम समन्वय कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां द्वारा नामांकित कृषि वैज्ञानिक को सम्पूर्ण जिला तथा अनुविभागीय कृषि अधिकारी को संबंधित अनुविभाग, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को संबंधित विकासखण्ड एवं कृषि विस्तार अधिकारी को संबंधित केन्द्र के लिए सदस्य बनाया गया है।

कलेक्टर ने डायग्नोस्टिक दल के सदस्यों को नियमित रूप से आवश्यकतानुसार क्षेत्र का भ्रमण करने, कीट व्याधि नियंत्रण के लिए कृषकों को सामयिक तकनीकी सलाह उपलब्ध कराने तथा आवश्यकतानुसार कीट व्याधि के क्षति स्तर पर प्रतिवेदन उप संचालक कृषि कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

स्वतंत्रता दिवस पर मिष्ठान में सांची का पेड़ा वितरण की सलाह

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस पर शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं तथा औद्योगिक इकाइयों में झंडा वंदन के उपरांत होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात मिष्ठान वितरण करने की परंपरा है।

आयुक्त जबलपुर संभाग अभय वर्मा ने जबलपुर, शहडोल और रीवा संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर को पत्र लिखकर इन कार्यक्रमों में बाजार में उपलब्ध खुली मिठाइयों के स्थान पर जबलपुर दुग्ध संघ द्वारा उत्पादित सांची पेड़ा का उपयोग करने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश जारी करने की अपेक्षा की है। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने संदर्भित पत्र के अनुसार विभागों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

चोरहटा के समस्त फीडरों की सप्लाई दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक बंद रहेगी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सतना के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी ने बताया कि 11 अगस्त को 132 केव्ही उपकेन्द्र अमरपाटन में 33 केव्ही मेनबस एवं उपकेन्द्र में अन्य कार्य मेंटीनेंस किये जाने का प्रावधान बनाया गया है। जिसमें 33 केव्ही सतना को ऊर्जित करने वाले 33/11 केव्ही उपकेन्द्र चोरहटा से निकलने वाले समस्त 11 केव्ही फीडरों की सप्लाई दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक बंद रहेगी।

सतना जिले में अब तक 459.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 10 अगस्त 2024 तक 459.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 775.2 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 310.9 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 474.4 मि.मी, बिरसिंहपुर में 450 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 338 मि.मी., नागौद में 527.4 मि.मी., जसो (नागौद) में 223.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 575 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 399.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

अभियान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासन के निर्देशानुसार 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक मैहर जिले में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के क्रियान्वयन एवं शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप समयावधि में कार्यवाही कराये जाने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग राजेन्द्र बांगरे को नोडल अधिकारी एवं डीपीएम एनआरएलएम अंजुला झा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा जारी आदेशानुसार दोनों अधिकारी गण शासन से प्राप्त निर्देशानुसार समस्त कार्यवाहियां समय-सीमा में कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

विकसित भारत का मंत्र-भारत हो नशे से स्वतंत्र कार्यक्रम 12 को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत देश के 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर एवं एनएमबीए ऐप के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 अगस्त 2024 को प्रातः 9 बजे समस्त स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर विकसित भारत का मंत्र-भारत हो नशे से स्वतंत्र कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आयुक्त नगर निगम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य/नोडल अधिकारी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, समस्त जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, समस्त नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा समस्त जनपद पंचायत/नगरीय निकाय के सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी को कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

साथ ही आयोजन उपरांत फोटोग्राफ सहित प्रतिवेदन कार्यालय को उपलब्ध कराने और नशा मुक्त भारत अभियान एनएमबीए ऐप पर फोटोग्राफअपलोड करने के लिए भी निर्देशित किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।